संस्करण : भोपाल
वर्ष : 01
अंक : 175
पृष्ठ : 08
मूल्य : 1.00
शुक्रवार 25 सितम्बर 2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रातःकालीन संस्करण

सच से रूबरू

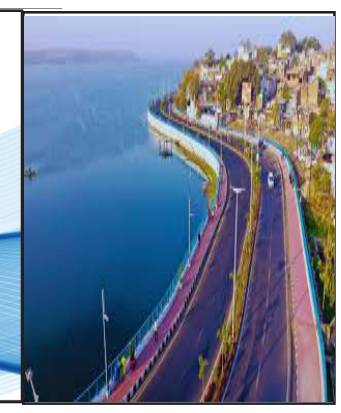

Website:www.pratahkalexpress.in | E-mail :pratahkalexpress@gmail.com | facebook.com/pratahkalexpressnews | https://twitter.com/ratahkalexpress1

एसआईआर विवाद पर प्रियंका गांधी का हमला, बोलीं-

'चुनाव प्रक्रिया से छेड़छाड़ देश से गद्दारी'

एजेंसी

कल्पेट्टा/वायनाड। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी स्ट्रक्र को लेकर चुनाव आयोग और विपक्ष के बीच जारी विवाद के बीच कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर तीखा हमला बोला है। वायनाड में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति देश की लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया के साथ छेड़छाड़ करता है, तो यह देश के साथ गद्दारी के समान है। प्रियंका गांधी ने कहा कि मतदाता सूची में कथित हेरफेर और बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने का मामला बेहद गंभीर है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि किसी चुनाव आयुक्त पर गैर-कानूनी गतिविधि में शामिल होने के आरोप हैं, तो उन्हें कानूनी सुरक्षा क्यों मिलनी चाहिए। '13 करोड़ नाम हटाना लोकतंत्र के खिलाफ'

प्रियंका गांधी ने स्ट्रक्र के तहत मतदाता सूचियों से बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने को लेकर चिंता जताई। उन्होंने दावा किया कि करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं और इसे लोकतंत्र, संविधान और देश के खिलाफ आपराधिक कृत्य बताया। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, स्ट्रक्रके तहत 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ड्राफ्ट मतदाता

सूचियों में 13 करोड़ से अधिक नाम हटाए गए हैं। हालांकि, चुनाव आयोग की प्रक्रिया में ऐसे नामों के लिए दावे और आपत्तियां दर्ज कराने तथा वैध पाए जाने पर नाम बहाल करने का प्रावधान है।

चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों का भी मुद्दा उठाया

कांग्रेस सांसद ने चुनाव आयोग के भीतर कथित मतभेदों का भी हवाला दिया। उनका कहना था कि यदि चुनाव आयोग के अधिकारियों को किसी कथित गड़बड़ी की जानकारी थी और उन्होंने उसे होने दिया, तो इसकी जांच होनी चाहिए।

हाल ही में एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने स्ट्रक्रसे जुड़े विभिन्न मुद्दों पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के फैसलों पर कई बार आपत्ति दर्ज की थी। चुनाव आयोग ने इन दावों को खारिज करते हुए कहा है कि उसके फैसले सर्वसम्मति से लिए जा रहे हैं।

'जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए'

प्रियंका गांधी ने कहा कि यदि जांच में किसी तरह की गैर-कानूनी गतिविधि सामने आती है, तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को भी कथित अपराध के लिए जांच से अलग नहीं रखा जाना चाहिए।

मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर मुकेश सहनी बोले-

'एक खून माफ होता तो ज्ञानेश कुमार को गोली मार देते'

एजेंसी

पटना । विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी का मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। मुकेश सहनी ने कहा कि अगर मुझे एक खून माफ होता तो ज्ञानेश कुमार को गोली मार देता। पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुकेश सहनी ने कहा, 'देश के कर्ताधर्ता प्रधानमंत्री यही करवा रहे हैं। लोकतंत्र को कुचला जा रहा है। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के संविधान को कुचला जा रहा है। देश के 140 करोड़ लोगों की आंख में पट्टी बांधकर धकेला जा रहा है। चुनाव किसी नेता के लिए नहीं होता है। चुनाव देश की जनता के लिए होता है। जनता को पावर है कि अगर नेता सही से काम न करे तो कुर्सी से हटा दो।' मुकेश सहनी ने कहा, 'बंगाल में सेना को खड़ा करके और 27 लाख वोट काटकर सरकार बनाई गई है। बिहार चुनाव में 10-10 हजार रुपए खाते में डालकर चुनाव को अपने पक्ष में कर लिया गया। चुनाव आयोग भाजपा का आयोग बन चुका है। ज्ञानेश कुमार से मेरा कहना है कि समय हर दिन एक जैसा नहीं होता। उनको थोड़ी शर्म करनी चाहिए कि देश के संविधान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। अगर हमको एक खून माफ होता तो सबसे पहले ज्ञानेश कुमार को 'गोली मार देते' लेकिन क्या किया जाए हम संविधान को मानने वाले लोग हैं। '

सिरसा में ट्रैक्टर-ट्रॉली और ट्राले की भिड़ंत

दो महिलाओं सहित चार की मौत व कई घायल

पंजाब हेड की ओर जा रहे थे

एजेंसी

सिरसा। गांव मल्लेका के पास गुरुवार को सुबह करीब 8:30 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।, जबकि करीब 30 मजदूर घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ऑटू हेड से नरमा चुनाई के लिए मजदूरों को लेकर पंजाब हेड की ओर जा रही थी। इसी दौरान सिरसा की तरफ से आ रहे एक ट्राले की ट्रॉली से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। बताया जा रहा है कि ट्रॉली में करीब 30 मजदूर सवार थे। हादसे में दो महिला मजदूरों सहित चार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई मजदूर घायल हो गए। हादसे के दौरान मल्लेका की ओर से ऐलनाबाद की तरफ आ रहा एक मोटरसाइकिल सवार युवक भी ट्राले की चपेट में आ गया। ट्राला पलटने से युवक उसके नीचे दब गया और उसकी भी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने तुरंत

राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और घायलों को उपचार के लिए सिरसा ले जाया गया। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू कर दी। पुलिस द्वारा मृतकों की पहचान और हादसे के कारणों की जानकारी जुटाई जा रही है। हादसे के बाद सड़क पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

साहिल वाकोडे मौत मामला

आईआईटी बॉम्बे ने मांगी माफी, कहा-

जांच से पहले बयान देना गलत

एजेंसी

मुंबई । भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे की मौत के मामले में संस्थान ने अपने पहले बयान को लेकर माफी मांगी है। आईआईटी बॉम्बे ने कहा है कि 21 सितंबर की पिछली पोस्ट को फिर से शेयर कर रहे हैं और उसमें कही गई बातों के लिए माफी मांगते हैं। संस्थान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'साहिल की दुर्भाग्यपूर्ण मौत से जुड़ी परिस्थितियों के बारे में हमारे पिछले संदेश में कही गई बातों के लिए हम माफी मांगते हैं। इस घटना से जुड़ी जानकारी और हालात अभी भी संबंधित अधिकारियों की जांच के दायरे में हैं। चल रही जांच को देखते हुए, उनकी मौत से पहले की घटनाओं के बारे में जानकारी देना या उनके बारे में कोई राय बनाना सही नहीं था, क्योंकि ये बातें अभी तक सही जांच प्रक्रिया के जरिए साबित नहीं हुई थीं।' बीटेक दूसरे वर्ष के छात्र साहिल वाकोडे की आत्महत्या के बाद पिछले कई दिनों से छात्र संगठनों द्वारा लगातार विरोध प्रदर्शन किया जा रहा था और संस्थान विवादों में घिरा हुआ था। इस बीच बुधवार को खबर आई कि आईआईटी बॉम्बे में रेगुलर क्लासेज फिर से शुरू हो गई हैं और कैंपस में अब कोई विरोध प्रदर्शन नहीं हो रहा है। जानकारी के अनुसार, आईआईटी बॉम्बे के कैंपस में 12,000 से ज्यादा छात्र और 700 से ज्यादा फैकल्टी सदस्य हैं। फिलहाल कैंपस के अंदर स्थिति सामान्य है।

प्रधानमंत्री ने सुभाषितम् में सत्य, मधुर और दयालु वाणी के महत्व को रेखांकित किया

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को एक्स पर साझा सुभाषितम् में समाज में शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए वाणी में अनुशासन का अभ्यास करने पर प्रकाश डाला गया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर संस्कृत का एक श्लोक साझा करते हुए लिखा, 'अनुद्वेगकरं वाक्यं सत्यं प्रियहितं च यत। स्वाध्यायाभ्यसनं चैव वाङ्मयं तप उच्यते॥ जिसका अर्थ है कि हमें हमेशा सत्य, मधुर और लाभकारी शब्द बोलने चाहिए, जिनसे किसी के मन में अशांति न फैले। पवित्र ज्ञान का निरंतर अध्ययन और चिंतन वाणी को उन्नत और सार्थक बनाता है। विचारपूर्वक बोले गए वचन समाज में शांति, सद्भाव और सकारात्मकता फैलाते हैं।

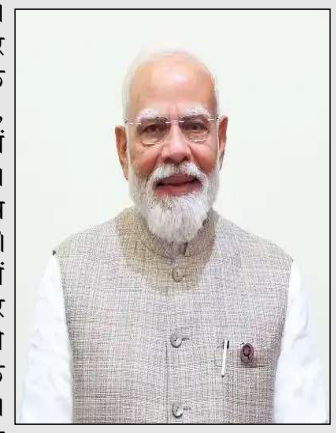

टीएससी सिंबल फ्रीज मामले में सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई

चुनाव आयोग से 28 सितंबर तक मांगा जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली । टीएमसी के नाम और घास-फूल के चुनाव चिह्न को फ्रीज करने के चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ दायर पश्चिम बंगाल की पूर्व सीएम ममता बनर्जी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से सोमवार तक ये बताने को कहा है कि सिंबल फ्रीज करने को लेकर फाइनल फैसला कब तक ले लेगा। कोर्ट ने कहा कि आयोग को इस मामले का जल्द निपटारा करना चाहिए। ममता बनर्जी गुट की तरफ से कहा गया कि अगर जल्द सिंबल पर आयोग फाइनल फैसला नहीं लेता है तो नवंबर में होने वाला कॉरपोरेशन का चुनाव प्रभावित होगा। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट 28 सितंबर को अगली सुनवाई करेगा। चुनाव आयोग ने अभी उपचुनाव को देखते हुए अंतरिम फैसला लिया

है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने ममता बनर्जी की याचिका पर सुनवाई की। ममता बनर्जी गुट की तरफ से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि वो चुनाव रोकने को नहीं कह सकते लेकिन उन्हें पार्टी का मूल नाम और चुनाव चिह्न बनाए रहने दिया जाए। कपिल सिब्बल ने कहा कि ये हमारे अस्तित्व का सवाल है और कोर्ट समुचित उपाय करे।

इस पर जस्टिस बागची ने कहा कि उपाय तो एक ही है कि निर्वाचन आयोग इस मसले का शीघ्र निर्णय करे। कपिल सिब्बल ने दलील दी कि चुनावी प्रक्रिया के बीच आयोग ने पार्टी के चुनाव चिह्न को फ्रीज कर दिया। आयोग हर रोज नई-नई मिसाल कायम कर रहा है। उन्होंने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट इस आदेश में दखल नहीं देगा तो चुनाव आयोग आगे आने वाले चुनावों में भी ऐसा ही करेगा कि चुनाव के बीच सिंबल बदल देगा।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने गुवाहाटी, उत्तराखंड, केरल और आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट में स्थायी जजों की नियुक्ति की सिफारिश की

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्य कांत की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने गुवाहाटी, उत्तराखंड, केरल और आंध्र प्रदेश के हाईकोर्ट में 12 अतिरिक्त जजों को स्थायी जज के तौर पर नियुक्त करने की सिफारिश की है। गुरुवार को जारी एक बयान में, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने कहा कि 23 सितंबर को हुई बैठक में उसने जस्टिस कौशिक गोस्वामी को गुवाहाटी हाई कोर्ट का स्थायी जज नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। एक बयान में, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जस्टिस सुभाष उपाध्याय को उत्तराखंड हाईकोर्ट का स्थायी जज नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसमें कहा गया, 'सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 23 सितंबर, 2026 को हुई अपनी बैठक में अतिरिक्त जज जस्टिस सुभाष उपाध्याय को उत्तराखंड हाईकोर्ट का स्थायी जज नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। ' शीर्ष अदालत के कॉलेजियम ने केरल हाईकोर्ट के पांच अतिरिक्त जजों को स्थायी जज के तौर पर नियुक्त करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। कॉलेजियम ने जस्टिस पी. कृष्णा कुमार, जस्टिस के.वी. जयकुमार, जस्टिस मुरली कृष्णा एस., जस्टिस जोबिन सेबेस्टियन और जस्टिस पी.वी. बालकृष्णन को स्थायी जज के तौर पर मंजूरी दी है। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के लिए, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पांच अतिरिक्त जजों को स्थायी जज के तौर पर नियुक्त करने के प्रस्तावों को मंजूरी दी। जस्टिस महेश्वर राव कुंचेम, जस्टिस थूटा चंद्र धना सेकर, जस्टिस चल्ला गुणरंजन, जस्टिस अवधानम हरि हरनाथ शर्मा और डॉ. जस्टिस यादवल्ली लक्ष्मणा राव का नाम शामिल है। बयान में कहा गया, 'सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 23 सितंबर को हुई अपनी बैठक में अतिरिक्त जजों को आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट का स्थायी जज नियुक्त करने के प्रस्तावों को मंजूरी दी है। ' हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और जजों की नियुक्ति संविधान के अनुच्छेद 217 के खंड (1) के तहत राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को किसी अतिरिक्त न्यायाधीश को स्थायी न्यायाधीश के तौर पर नियुक्त करने की सिफारिश करते समय विस्तृत आंकड़े देने होते हैं। इन आंकड़ों में संबंधित न्यायाधीश द्वारा महीने-दर-महीने निपटाए गए मामलों और दिए गए फैसलों की जानकारी के साथ ही लॉ जर्नल्स में प्रकाशित मामलों की संख्या शामिल होनी चाहिए, और इन सभी आंकड़ों को उनके द्वारा प्रमाणित किया जाना चाहिए।

इस डेटा में कुल कामकाजी दिनों की संख्या, न्यायाधीश के वास्तव में कोर्ट में उपस्थित रहने के दिनों की संख्या और उस संबंधित अवधि के दौरान अनुपस्थिति के दिनों की जानकारी भी शामिल होनी चाहिए, जिसके लिए मामलों के निपटारे के आंकड़े जमा किए जा रहे हैं।

अतिरिक्त न्यायाधीशों की नियुक्ति संविधान के अनुच्छेद 224 के खंड (1) के तहत राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

चलती ट्रेन में महिला ने बेटे को जन्म दिया

कोटा। मन्नारगुडी-जोधपुर एक्सप्रेस में यात्रा कर रही 26 वर्षीय महिला ने प्रसव पीड़ा के दौरान चलती ट्रेन में बेटे को जन्म दिया। रेल मदद के जरिए सूचना मिलने पर रेलवे ने सवाई माधोपुर स्टेशन पर मेडिकल टीम को तैयार रखा। स्टेशन पहुंचने पर चिकित्सकीय टीम ने मां और नवजात की जांच कर आवश्यक उपचार एवं दवाइयां उपलब्ध कराईं। दोनों स्वस्थ पाए गए। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन के अनुसार महिला यात्री शारदा अपने पति और परिवार की पांच-छह महिला सदस्यों के साथ ट्रेन के सामान्य श्रेणी के कोच में जोधपुर जा रही थीं। सुबह 5:35 बजे ट्रेन के कोटा स्टेशन से रवाना होने के बाद उन्हें अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हुई।

वायरल वीडियो ने खोली पोल!

युवती से बदसलूकी के आरोप में छह हिरासत में

शराब कनेक्शन भी सामने आया

एजेंसी

समस्तीपुर। बिहार के जमुई में युवती से सरेराह बदसलूकी का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि समस्तीपुर में भी ऐसी ही घटना का वीडियो सामने आने से सनसनी फैल गई। जिला मुख्यालय से महज कुछ किलोमीटर दूर कर्पूरीग्राम थाना क्षेत्र के जगतसिंहपुर गांव के पास कर्पूरीग्राम, नगर, मुफ्फसिल, पूसा और कल्याणपुर थानों की पुलिस ने देर रात तक अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की। इस कार्रवाई में छह लोगों को हिरासत में लिए जाने की बात सामने आई है। हिरासत में लिए गए लोगों में मुख्य आरोपी बताए जा रहे विकास कुमार शर्मा, राहुल कुमार, अवधेश पासवान, रामबाबू

साहनी, छोटू पासवान और वार्ड सदस्य दिलीप राम शामिल हैं। पुलिस सभी से पूछताछ कर रही है। हालांकि, अभी तक पुलिस की ओर से मामले में कोई विस्तृत आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।बताया जा रहा है कि युवती एक युवक के साथ बाइक से पूसा-मगरदही घाट-समस्तीपुर जाने वाली बांध सड़क से गुजर रही थी। जगतसिंहपुर गांव के पास दोनों ने बाइक सड़क किनारे लगाई और युवती वहां फोटो लेने लगी। बांध पर हुई बताई जा रही इस घटना का वीडियो बुधवार देर शाम सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। वायरल वीडियो में एक युवती को कुछ युवकों से घिरा देखा जा सकता है। आरोप है कि युवकों ने उसके साथ सरेराह अभद्रता, गाली-गलौज और गलत तरीके से छूने जैसी अश्लील हरकत की। वीडियो वायरल होते ही समस्तीपुर जिला पुलिस सक्रिय हो गई। एसपी अरविंद प्रताप सिंह के निर्देश पर

राज ठाकरे ने सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और ईवीएम को चुनाव प्रक्रिया से हटाने की मांग की

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्य कांत की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने गुवाहाटी, उत्तराखंड, केरल और आंध्र प्रदेश के हाईकोर्ट में 12 अतिरिक्त जजों को स्थायी जज के तौर पर नियुक्त करने की सिफारिश की है। गुरुवार को जारी एक बयान में, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने कहा कि 23 सितंबर को हुई बैठक में उसने जस्टिस कौशिक गोस्वामी को गुवाहाटी हाई कोर्ट का स्थायी जज नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। एक बयान में, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जस्टिस सुभाष उपाध्याय को उत्तराखंड हाईकोर्ट का स्थायी जज नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसमें कहा गया, 'सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 23 सितंबर, 2026 को हुई अपनी बैठक में अतिरिक्त जज जस्टिस सुभाष उपाध्याय को उत्तराखंड हाईकोर्ट का स्थायी जज नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। ' शीर्ष अदालत के कॉलेजियम ने केरल हाईकोर्ट के पांच अतिरिक्त जजों को स्थायी जज के तौर पर नियुक्त करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। कॉलेजियम ने जस्टिस पी. कृष्णा कुमार, जस्टिस के.वी. जयकुमार, जस्टिस मुरली कृष्णा एस., जस्टिस जोबिन सेबेस्टियन और

जस्टिस पी.वी. बालकृष्णन को स्थायी जज के तौर पर मंजूरी दी है। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के लिए, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पांच अतिरिक्त जजों को स्थायी जज के तौर पर नियुक्त करने के प्रस्तावों को मंजूरी दी। जस्टिस महेश्वर राव कुंचेम, जस्टिस थूटा चंद्र धना सेकर, जस्टिस चल्ला गुणरंजन, जस्टिस अवधानम हरि हरनाथ शर्मा और डॉ. जस्टिस यादवल्ली लक्ष्मणा राव का नाम शामिल है। बयान में कहा गया, 'सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 23 सितंबर को हुई अपनी बैठक में अतिरिक्त जजों को आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट का स्थायी जज नियुक्त करने के प्रस्तावों को मंजूरी दी है। ' हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और जजों की नियुक्ति संविधान के अनुच्छेद 217 के खंड (1) के तहत राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को किसी अतिरिक्त न्यायाधीश को स्थायी न्यायाधीश के तौर पर नियुक्त करने की सिफारिश करते समय विस्तृत आंकड़े देने होते हैं। इन आंकड़ों में संबंधित न्यायाधीश द्वारा महीने-दर-महीने निपटाए गए मामलों और दिए गए फैसलों की जानकारी के साथ ही लॉ जर्नल्स में प्रकाशित मामलों की संख्या शामिल होनी चाहिए, और इन सभी आंकड़ों को उनके द्वारा प्रमाणित किया जाना चाहिए।

मप्र के ओरछा में भगवान रामराजा सरकार ने किया जलविहार, पुलिस ने दी सलामी

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की ऐतिहासिक पर्यटन नगरी ओरछा में बरसों पुरानी परम्परा के अनुसार भाद्रपद शुक्ल द्वादशी के अवसर पर श्री रामराजा सरकार ने बेतवा नदी में जलविहार किया। इस दौरान शहर के गणेश पंडालों से भी गणेश प्रतिमाओं को विमानों में रखकर नदी किनारे लाया गया। शहरऔर स्थानीय मार्गदर्शिका रामराजा सरकार की छोटी प्रतिमा को शाम करीब 7 बजे मंदिर से विमान में विराजित कर गाजे-बाजे, शंख की ध्वनि और जयकारों के साथ बेतवा नदी के लिए रवाना किया गया। मंदिर से विमान निकलने से पहले तहसीलदार जगदीश रंधवा और थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह गुर्जर की मौजूदगी में पुलिस के जवानों ने भगवान को सलामी दी। इसके बाद भव्य शोभायात्रा शहर के मुख्य रास्तों से होती हुई बेतवा तट पहुंची। बेतवा किनारे मंदिर के आचार्य वीरेंद्र विदुआ ने विधि-विधान से पूजा कराई और रामराजा सरकार की प्रतिमा को पवित्र जल से स्नान कराया गया। इस पावन मौके पर कलेक्टर और मंदिर प्रबंधक जमुना भिड़े और सीईओ रोहन सक्सेना भी मौजूद रहे और पूजा-अर्चना कर अ ाशीर्वाद लिया।

हमारी आध्यात्मिक चेतना, भारतीय संस्कृति और वैश्विक आस्था का विराट पर्व है सिंहस्थः मोहन यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सिंहस्थ : 2028 विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला है। यह हमारी आध्यात्मिक चेतना, भारतीय संस्कृति और वैश्विक आस्था का विराट पर्व है। इसके भव्य और दिव्य आयोजन के लिए बड़ी संख्या में लोगों के साथ पूरी क्षमता के साथ तैयार होना होगा। यह हम सबका दायित्व है कि सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुख्यमंत्री निवास में भारत स्काउट एंड गाइड के पदाधिकारियों एवं गाइड्स के साथ सिंहस्थ सेवा कार्य 2028 के संदर्भ में आयोजित एक विशेष संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ में भीड़ नियंत्रण सहित कई प्रकार की व्यवस्थाएं संभालने वाले स्काउट एंड गाइड के मास्टर ट्रेनर, सेवादूतों एवं स्वयं सेवकों के विधिवत् प्रशिक्षण के लिए भोपाल में एक अत्याधुनिक ट्रेनिंग सेंटर बनाया जाएगा।

मुंबई में गणपति विसर्जन के दौरान 22 हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात, एआई और ड्रोन से होगी निगरानी

मुंबईः मुंबई में गणपति मूर्ति विसर्जन जुलूस के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए 22 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को मजबूत करने के लिए मुंबई पुलिस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ड्रोन तकनीक का भी इस्तेमाल करेगी। मुंबई के संयुक्त पुलिस आयुक्त (लॉ एंड आर्डर)सत्यनारायण चौधरी और संयुक्त पुलिस आयुक्त मनोज कुमार शर्मा ने यह जानकारी मुंबई में पत्रकार वार्ता में दी है। सत्यनारायण चौधरी ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था के तहत स्टेट रिजर्व पुलिस फोर्स की कंपनियों के साथ सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की चार कंपनियां तैनात रहेंगी। इसके अलावा क्विक रिस्पॉन्स टीम और बॉम्ब डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वाड की टीमें भी सुरक्षा में शामिल रहेंगी। मुंबई में पुलिस के आला अधिकारियों के साथ कुल 22 हजार से अधिक पुलिसकर्मी शहर के चप्पे-चप्पे पर तैनात रहकर भगवान गणेश की विदाई बिना किसी परेशानी के हो, यह सुनिश्चित करेंगे। संयुक्त पुलिस आयुक्त मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि एआई की मदद से जुलूस के रूट, ट्रैफिक और भीड़ से जुड़ी जानकारियों पर नजर रखी जाएगी। वहीं, ड्रोन के जरिए भीड़भाड़ वाले इलाकों और संवेदनशील स्थानों की निगरानी की जाएगी।

मप्र में 25 सितंबर से शुरू होगी मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा, नितिन गडकरी करेंगे शुभारंभ

भोपाल। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा शुरु हो रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी 25 सितंबर को भोपाल के बीएचईएल दशहरा मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा अंतर्गत सावर्जनिक यात्री बसों के संचालन का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी मौजूद रहेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी सुनील वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा अंतर्गत शुरू होने वाली इंटरसिटी और इंट्रासिटी बसों के संचालन को आधुनिक, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने की दिशा में परिवहन विभाग ने पूरी तैयारी कर ली है। इसके अंतर्गत सड़कों पर दौड़ने वाली बसों का स्टेयरिंग एडवांस तकनीक से प्रशिक्षित ड्राइवरों के हाथों में होगा। इसके लिए बस चालकों को इलेक्ट्रिक और सीएनजी बसों की तकनीक, संचालन और सुरक्षा मानकों से परिचित कराने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

अमित शाह 30 सितंबर को पंजाब में नशा-मुक्ति यात्रा के समापन समारोह को करेंगे संबोधित

यह अभियान 'नशा-मुक्त पंजाब' की थीम पर आयोजित किया गया है।

एजेंसी

चंडीगढ़ । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 30 सितंबर को पंजाब में चल रहे नशा-मुक्ति अभियान के समापन समारोह को संबोधित करेंगे। इसी दिन जालंधर में नशा-विरोधी चार यात्राओं का समापन होगा। अमित शाह इस अभियान के समापन कार्यक्रम के तहत जालंधर में एक बड़ी रैली को संबोधित करेंगे। यह अभियान 'नशा-मुक्त पंजाब' की थीम पर आयोजित किया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने 18 सितंबर को पठानकोट के माधोपुर से यात्राओं की शुरुआत की थी। अभियान के तहत राज्य के अलग-अलग हिस्सों से गुजरने वाली नशा-विरोधी चार यात्राएं 30 सितंबर को जालंधर में एक

साथ मिलेंगी। इन यात्राओं के समापन के बाद अमित शाह इस बड़ी सभा को संबोधित करेंगे।

इस कार्यक्रम को पंजाब में भाजपा की बड़ी लामबंदी के तौर पर देखा जा रहा है। जालंधर में इसके लिए जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं। भाजपा नेता व कार्यकर्ता रैली के इंतजाम और राज्य के अलग-अलग हिस्सों से पार्टी समर्थकों को जुटाने के काम में लगे हैं। इस अभियान का मकसद पंजाब में नशे की लत के मुद्दे को उजागर करना और नशा-मुक्त राज्य की जरूरत के बारे में जागरूकता फैलाना रहा है। भाजपा पंजाब में लोगों तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए 'नशा-मुक्त पंजाब' अभियान का इस्तेमाल कर रही है।

भाजपा सांसद तरुण चुघ ने गुरुवार को कहा, 'भारतीय जनता पार्टी पंजाब में ड्रग्स के खिलाफ चार यात्राएं निकाल रही है। लोग इन यात्राओं से जुड़ रहे हैं और 'ड्रग्स छोड़ो, पंजाब को ड्रग्स के दानव से मुक्त करो' के अभियान को एक जन-आंदोलन में बदल रहे हैं। '

समापन कार्यक्रम में अमित शाह की मौजूदगी से पंजाब में भाजपा की गतिविधियों को बड़ी राजनीतिक गति मिलने की भी उम्मीद है। गृह मंत्री की जालंधर रैली ऐसे समय में हो रही है जब पार्टी विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में अपनी संगठनात्मक और जन-संपर्क गतिविधियों को तेज कर रही है।

असम के नगांव में स्ट्रीट लाइट के खंभे से टकराई गाड़ी, तीन लोग जिंदा जले, दो की हालत गंभीर

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के नगांव जिले में एक गाड़ी के स्ट्रीट लाइट के खंभे से टकराने के बाद आग लगने से तीन लोगों की जलकर मौत हो गई। इस दुर्घटना में दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक स्ट्रीट लाइट पोल से टकराने के बाद जिस वाहन में वे यात्रा कर रहे थे उसमें आग लग गई, जिससे तीन लोगों की जलकर मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा पुरानेगुदाम इलाके के पास केनापट्टी में हुआ। गाड़ी अरुणाचल प्रदेश से गुवाहाटी की ओर जा रही थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, चालक ने कथित तौर पर वाहन से नियंत्रण खो दिया और सड़क के बीच में लगे एक स्ट्रीटलाइट पोल से टकरा गया। टक्कर के बाद वाहन में आग लग गई और देखते ही देखते वाहन पूरी तरह से जल गया। वाहन में सवार तीन लोग अंदर फंस गए और जलते हुए वाहन से बाहर नहीं निकल सके। गंभीर रूप से झुलसने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने गाड़ी से मृतकों के शव बाहर निकाले और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजे। इस हादसे में विकास कुमार और सोनू कुमार समेत दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें पहले चिकित्सा उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जिसके बाद उन्हें गुवाहाटी स्थानांतरित कर दिया गया।

'ममता बनर्जी की मांग का समर्थन करता हूं'

ज्ञानेश कुमार को सजा मिलेगी : उदित राज

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता उदित राज ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की गिरफ्तारी की मांग समेत कई मुद्दों पर अपनी राय रखी। ममता बनर्जी द्वारा सीईसी ज्ञानेश कुमार की गिरफ्तारी की मांग के सवाल पर कांग्रेस नेता ने कहा कि वह इसका पूरी तरह समर्थन करते हैं। उन्होंने ज्ञानेश कुमार पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने जो अपराध किए हैं, वे अक्षम्य हैं। उन्हें समय आने पर सजा मिलेगी।

मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत बिना वसीयत संपत्ति के बंटवारे के नियमों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से नोटिस जारी किए जाने पर उन्होंने कहा कि अभी मामला अदालत के सामने है। याचिका दाखिल हुई है और सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस दिया है। अब दोनों पक्ष अपनी दलीलें रखेंगे और अंतिम फैसला आने के बाद ही इस पर अपनी राय रखी जानी चाहिए। संजय राउत की संसद और सदन में मुद्दे उठाने के साथ-साथ सड़क पर भी आवाज उठाने की टिप्पणी पर कांग्रेस नेता ने सहमति

जताई। उन्होंने कहा कि सड़क खाली रहेगी तो संसद भी कमजोर हो जाएगी। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि किसानों के मुद्दे पर जब लोग सड़क पर आए, तब सरकार ने उनकी बातों पर ध्यान दिया।

प्रधानमंत्री की ओर से केंद्रीय मंत्रियों के साथ दो दिवसीय चिंतन शिविर किए जाने पर उन्होंने कहा कि मंत्रियों के पास निर्णय लेने की पर्याप्त ताकत नहीं है और महत्वपूर्ण फैसले प्रधानमंत्री कार्यालय तथा अधिकारियों के स्तर पर होते हैं। मंत्रियों को गाड़ी, स्टाफ और आवास तो दिए गए हैं, लेकिन फैसले लेने की शक्ति नहीं है। उन्होंने इस चिंतन शिविर को नौटंकी बताया। रायबरेली से अखिलेश यादव की पीडीए रथ यात्रा शुरू होने के सवाल पर कांग्रेस नेता ने कहा कि यात्रा कहीं से भी शुरू की जा सकती है। देश में सामाजिक न्याय की सबसे ज्यादा जरूरत है और बहुजन समाज को कांग्रेस का समर्थन है। उन्होंने अखिलेश यादव की यात्रा की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

दिल्ली के लेडी श्री राम कॉलेज फॉर वुमन में सुरक्षा को देखते हुए ऑफलाइन क्लास को ऑनलाइन किए जाने पर कांग्रेस नेता ने कहा कि यह समस्या का समाधान नहीं है। उन्होंने कहा कि डर के कारण लड़कियों को घर में नहीं बैठाया जा सकता। सरकार और गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी है कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था दुरुस्त की जाए। एसआईआर को लेकर चुनाव आयुक्तों के बीच कथित असहमति पर उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र के लिए अच्छा है कि कुछ लोगों का जमीर जागा है। उन्होंने चुनाव आयोग पर लोकतंत्र और संविधान को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में करीब आधे मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। उन्होंने इसे विपक्षी मतदाताओं के नाम हटाने की प्रक्रिया बताया। नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी द्वारा दिल्ली हाईकोर्ट में ईडी की याचिका का विरोध किए जाने पर कांग्रेस नेता ने कहा कि उनका विरोध सही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि हाईकोर्ट किसी दबाव में आए बिना निष्पक्ष फैसला करेगा।

चोला बदलकर जनता को ठग रहे अखिलेश, 2027 में नहीं गलेगी दाल : भाजपा

एजेंसी

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की पीडीए रथ यात्रा और उत्तर प्रदेश में पोस्टर को लेकर सियासत तेज हो गई है। रायबरेली में 'सपा' नेताओं ने रथ यात्रा से पहले जगह-जगह पोस्टर और होर्डिंग लगाए हैं, जिसमें अखिलेश यादव को भगवान राम और कृष्ण के रूप में दिखाया गया है। इस पर उत्तर प्रदेश के मंत्री अनिल राजभर ने निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'सपा को उत्तर प्रदेश की जनता को स्पष्ट करना चाहिए कि वे पीडीए के तौर पर किसे बता रहे हैं। आज तक समाजवादी पार्टी पीडीए को परिभाषित नहीं कर पाई है। जहां तक हम समझ रहे हैं, वे चोला बदलकर जनता को ठगने जा रहे हैं। हालांकि जनता उनको बहुत अच्छी तरीके से जानती और पहचानती है। 2027 के विधानसभा चुनाव में उनकी दाल नहीं गलने वाली है।' सपा प्रमुख अखिलेश यादव की पीडीए रथ यात्रा पर मंत्री अनिल राजभर ने कहा, 'इसका कोई महत्व नहीं है। वे बस समय बिता रहे हैं। चुनाव

नजदीक हैं, इसलिए उन्हें कुछ तो करना ही है। उन्हें पता है कि समाजवादी पार्टी का क्या हश्र होने वाला है लेकिन वे बस समय काटने के लिए ऐसा कर रहे हैं। ' भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने अखिलेश यादव के पोस्टरों पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'जिन लोगों ने प्रभु श्रीराम के अस्तित्व पर सवाल उठाए, आज उनके पोस्टर लगाकर राम के अवतार बताए जा रहे हैं, मैं समझता हूं कि इससे भी शर्मनाक बात किसी भी राजनीतिक दल के लिए नहीं हो सकती। अखिलेश यादव की तुलना राम और हनुमान से करना बिल्कुल गलत है। ' भाजपा के पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक वाजपेयी ने भी रायबरेली में पीडीए यात्रा से पहले अखिलेश यादव को भगवान कृष्ण, भगवान राम और हनुमान का आशीर्वाद लेते हुए दिखाने वाले पोस्टरों पर प्रतिक्रिया दी। अशोक वाजपेयी ने कहा, 'जिस तरीके से पीडीए अपना रंग बदल रहा है, ठीक वैसे ही वे अपने रंग बदल रहे हैं। पोस्टर लगाने वाली बात सिर्फ दिखावा है। यूपी की जनता सब जानती है।

जमशेदपुर में भीषण सड़क हादसा, मंत्री दीपिका पांडेय की बेटी समेत 4 की मौत

एजेंसी

जमशेदपुर। झारखंड के जमशेदपुर में गुरुवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में राज्य की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की बेटी तृषा सिंह भी शामिल हैं। बताया गया है कि तृषा अपने तीन दोस्तों के साथ कार से कहीं जा रही थीं। इसी दौरान सोनारी थाना क्षेत्र में यह दर्दनाक हादसा हो गया।

हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार ट्रेलर के पिछले हिस्से में बुरी तरह फंस गई। राहत और बचाव दल ने गैस कटर की मदद से कार को काटकर शवों को बाहर निकाला। हादसे के बाद मौके पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

ब्रेकडाउन के बाद सड़क पर खड़ा था ट्रेलर

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, नेशनल हाईवे पर एक ट्रेलर ब्रेकडाउन होने के बाद खड़ा था। इसी दौरान पीछे से आ रही कार अनियंत्रित होकर सीधे ट्रेलर के अंदर जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में सवार चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में तृषा सिंह के अलावा उनके तीन दोस्त शामिल बताए गए हैं। तृषा एलएलआरआई की छात्रा थीं। हादसे के समय वह अपने दोस्तों के साथ कार में यात्रा कर रही थीं। पुलिस और प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया। गैस कटर से कार को काटकर शव बाहर निकाले गए। हादसे की परिस्थितियों को लेकर पुलिस की ओर से जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जताया दुख

हादसे की जानकारी सामने आने के बाद झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शोक व्यक्त किया। उन्होंने मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की बेटी और अन्य मृतकों के निधन को बेहद दुखद बताते हुए शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना जताई। मुख्यमंत्री ने कहा कि संतान को खोने का दुख किसी भी माता-पिता के लिए असहनीय होता है। उन्होंने दिवंगत लोगों की आत्मा की शांति और परिजनों को इस कठिन समय को सहने की शक्ति मिलने की कामना की।

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने भी हादसे पर दुख जताया। उन्होंने मंत्री दीपिका पांडेय सिंह और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि संतान को खोने का दर्द शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।

हिंदू राष्ट्र के संकल्प को लेकर 11 अक्टूबर से रथ यात्रा निकालेंगे धीरेंद्र शास्त्री

पांच जिलों में तय करेंगे 500 किमी का सफर

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने एक बार फिर ऐलान किया कि वह भारत को 'हिंदू राष्ट्र' बनाने के अपने संकल्प को लेकर नवरात्रि में रथ यात्रा निकालेंगे। प्रस्तावित यात्रा 11 अक्टूबर से शुरू होगी और मध्य प्रदेश के पांच जिलों में करीब 500 किलोमीटर का सफर तय करेगी। ग्रेटर नोएडा में एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि इस अभियान का संदेश 'जात-पात मुक्त, राष्ट्रवाद युक्त' होगा। उन्होंने इसे भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के अपने संकल्प से जोड़ा। धीरेंद्र शास्त्री के मुताबिक, रथ यात्रा सागर, पन्ना, टीकमगढ़, दमोह और छतरपुर जिलों से होकर गुजरेगी। उन्होंने पांच दिनों में पांच जिलों में करीब 500 किलोमीटर की यात्रा

करने की बात कही है। उपलब्ध रिपोर्टों में भी इन्हीं पांच जिलों से यात्रा गुजरने की जानकारी दी गई है।

उन्होंने बताया कि पांच दिवसीय यात्रा के दौरान चार जगहों पर रात्रि विश्राम किया जाएगा। इन स्थानों पर हनुमान चालीसा का पाठ, हवन और अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शास्त्री के मुताबिक, यात्रा के दौरान लोगों को 'हिंदू राष्ट्र' के लिए शपथ भी दिलाई जाएगी।

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि यात्रा के दौरान करीब हर 20 किलोमीटर पर सभा करने की योजना है। इन सभाओं के माध्यम से लोगों को यात्रा के उद्देश्य और उनके संकल्प से जोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि इस बार यात्रा पैदल नहीं, बल्कि रथ से होगी। इससे पहले वह दिल्ली से वृंदावन तक पदयात्रा कर चुके हैं। इसके अलावा बागेश्वर धाम से ओरछा तक भी उनकी पदयात्रा निकाली जा चुकी है। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि इस अभियान की पहली रथ यात्रा बागेश्वर धाम क्षेत्र से निकाली जाएगी। यात्रा में देश के विभिन्न हिस्सों से साधु-संतों के शामिल होने की भी संभावना है।धीरेन्द्र शास्त्री की इस यात्रा को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी शुरू हो गई हैं। विपक्ष के कई नेताओं ने इस यात्रा को 'हिन्दू राष्ट्र' से जोड़ने पर आपत्ति जताई है।

कर्नाटक विधानसभा सत्र सूखे पर चर्चा के लिए बढ़ाया गया

नए अभाविप पदाधिकारियों ने संभाला कार्यभार

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि राज्य में बिगड़ती सूखे की स्थिति पर विस्तृत चर्चा के लिए विधानसभा सत्र एक दिन के लिए बढ़ा दिया गया है। विधान सौधा में मीडिया से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि 200 से अधिक तालुकों में भीषण सूखे की स्थिति है और हालात गंभीर हो गए हैं। शिवकुमार ने कहा कि राज्य में सूखे की तीव्रता बढ़ गई है। 200 से अधिक तालुक भीषण सूखे से प्रभावित हैं और स्थिति गंभीर है। इसलिए, सूखे पर चर्चा के लिए विधानसभा सत्र एक दिन के लिए बढ़ा दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि विधायक और जन प्रतिनिधि सूखे की स्थिति पर विस्तार से चर्चा करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री और उपमुख्यमंत्री कार्यवाही के दौरान विधायकों द्वारा उठाए गए प्रश्नों और सुझावों का आधिकारिक रूप से

जवाब देंगे। दिल्ली में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने के प्रस्ताव पर शिवकुमार ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने इस कदम पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि सूखे से राहत और केंद्र से सहायता पर चर्चा करने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को दिल्ली भेजने का निर्णय लिया गया है। सभी दलों के नेताओं ने इस पर सहमति जताई है।इस बीच, शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस आगामी कर्नाटक विधानसभा चुनावों में सभी चार सीटों पर जीत हासिल करने को लेकर आश्वस्त है। उन्होंने कहा कि हमें विधानसभा चुनावों में सभी चार सीटों पर जीत का पूरा भरोसा है। हमने एक साल पहले ही अच्छे उम्मीदवारों का चयन कर लिया था। पार्टी और सरकार मिलकर काम करेंगे।

चुनावों को लेकर मंत्रियों और पार्टी विधायकों के साथ बैठक के बाद शिवकुमार ने कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) कार्यालय के पास मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि विधानसभा की चार सीटों के लिए चुनाव की घोषणा हो चुकी है और विधानसभा सत्र जारी होने के कारण उन्होंने विधायकों से मुलाकात कर चुनावों पर चर्चा की और मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि सभी मंत्री और विधायक जिम्मेदारी लेंगे और चुनावों के लिए काम करेंगे। दिल्ली की अपनी प्रस्तावित यात्रा के बारे में शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मिलने का समय मांगा है। उन्होंने कहा कि मैंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर बैठक के लिए समय मांगा है।

ग्रेनाइट कारोबारी वीरमणि के खिलाफ पॉक्सो केस को बंद करने के मामले में तीन अधिकारियों को समन

एजेंसी

चेन्नई । ग्रेनाइट कारोबारी वीरमणि के पॉक्सो केस को बंद करने के मामले में सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) की ओर से तीन पुलिस अधिकारियों को समन भेजा गया है। इन अधिकारियों ने ग्रेनाइट्स के बिजनेसमैन आर. वीरमणि के खिलाफ बच्चों के यौन शोषण के मामले की शुरुआती जांच की थी। सीसीबी की ओर से इन तीन पुलिस अधिकारियों से उस फैसले के बारे में सफाई मांगी गई है, जिसके तहत पिछले वर्ष अक्टूबर में शिकायत दर्ज होने के बाद मामले को बंद कर दिया गया था। एंटी-वाइस यूनिट में काम करने वाली असिस्टेंट कमिश्नर यास्मीन और इंस्पेक्टर महेश कुमार और राजलक्ष्मी को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। जांच करने वाले अधिकारी यह देखेंगे कि शिकायत का आकलन कैसे किया गया, क्या सबूत इकट्ठा किए गए और पिछली टीम ने केस बंद करने की रिपोर्ट क्यों सौंपी? वीरमणि को नाबालिगों के यौन शोषण के आरोपों में 'बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण' (पॉक्सो) एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया और पुझल जेल में रखा गया था। पुलिस ने शांति और उनके पति महेंद्र सिम्हन को भी इस आरोप में गिरफ्तार किया कि उसने इस शोषण में मदद की थी। वीरमणि के पूर्व सहयोगी गणेशन को गिरफ्तार किया गया है। यह समन उस जांच का अगला चरण है जिसे पुलिस की शुरुआती जांच की न्यायिक समीक्षा के बाद फिर से शुरू किया गया था।

वीरमणि के खिलाफ अक्टूबर 2025 में शिकायत दर्ज की गई थी, लेकिन बाद में पुलिस ने मामले को बंद करने की कोशिश की। अदालत ने उस निष्कर्ष को मानने से इनकार कर दिया और नए सिरे से जांच के निर्देश दिए। दोबारा हुई जांच के बाद गिरफ्तारियां हुईं और अब जांच का रुख उन अधिकारियों के कामकाज की ओर मुड़ गया है, जिन्होंने मूल शिकायत पर कार्रवाई की थी।जांच अधिकारी वीरमणि के लंबे समय के व्यवहार से जुड़े आरोपों की भी जांच कर रहे हैं। यह दावा कि शोषण 2003 में शुरू हुआ और लगभग 23 वर्षों तक चला, अभी भी जांच के दायरे में है; अदालत ने इसकी अवधि और विवरण की पुष्टि नहीं की है। पुलिस ने सार्वजनिक रूप से यह नहीं बताया है कि इन दावों में कितने कथित पीड़ित या घटनाएं शामिल हैं। अधिकारियों से पूछताछ से यह स्पष्ट हो सकता है कि क्या जांचकर्ताओं ने अहम सबूतों को नजरअंदाज किया।

बालाघाट में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और रोग नियंत्रण की व्यापक कार्यवाही

समन्वित प्रयासों से स्थिति नियंत्रित, एएनसी कवरेज करें शत-प्रतिशत : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने आज मंत्रालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बालाघाट जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, खसरा-रूबेला, डायरिया एवं मलेरिया नियंत्रण तथा दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए की जा रही कार्यवाही की विस्तृत समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि बालाघाट में महिला एवं बाल विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, शिक्षा तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा आपसी समन्वय के साथ स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मैदानी स्तर पर निरंतर निगरानी, समय पर उपचार, टीकाकरण, पोषण, स्वच्छता और दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के प्रयास लगातार जारी रहें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि गंभीरता, समर्पण और बेहतर समन्वय के साथ सेवा प्रदाय किया जाए तो बालाघाट की सभी पंचायतों को सुमन पंचायत बनाया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वर्तमान प्रयासों को निरंतर बनाए रखते हुए बालाघाट को स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में पूरे प्रदेश के लिए एक आदर्श जिले के रूप में विकसित किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि बालाघाट जैसे जनजातीय एवं भौगोलिक रूप से चुनौतीपूर्ण जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए विभागों के बीच निरंतर समन्वय आवश्यक है। स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मिलकर काम करें और मैदानी स्तर पर प्रत्येक गतिविधि की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। बैठक में एमडी एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बालाघाट कलेक्टर श्री कुमार सत्यम तथा जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए। सुमन पंचायत के रूप में पंचायतों को विकसित करने के लिए एक वर्ष की अवधि में शून्य मातृ एवं शिशु मृत्यु सुनिश्चित करना प्रमुख मानकों में शामिल है। गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत पंजीयन एवं एएनसी जांच, हाई रिस्क प्रेग्नेंसी का चिन्हांकन एवं फॉलोअप, संस्थागत प्रसव, प्रसवोत्तर एवं नवजात देखभाल और समय पर रेफरल जैसी सेवाओं की प्रभावी उपलब्धता सुनिश्चित किया जाना इसका लक्ष्य है। इन मानकों की सतत पूर्ति और मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित निगरानी के आधार पर पंचायतों को सुमन पंचायत के रूप में विकसित होने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि एएनसी चेकअप का कवरेज 90 प्रतिशत तक पहुंचना महत्वपूर्ण प्रगति है। इसे शत-प्रतिशत तक ले जाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। हाई रिस्क प्रेग्नेंसी वाली महिलाओं का समय पर चिन्हांकन, नियमित फॉलोअप तथा आवश्यकता के अनुसार उपयुक्त स्वास्थ्य संस्थान में समय से भर्ती सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बर्थ वेटिंग होम की उपलब्ध सुविधाओं का अधिकतम उपयोग करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आवश्यक संसाधनों की कमी नहीं है। अधिकारी एवं मैदानी अमला पूरी गंभीरता और समर्पण के साथ कार्य करें। इसी गति से प्रयास जारी रहे तो बालाघाट की सभी पंचायतों को सुमन पंचायत के रूप में विकसित किया जा सकता है। उन्होंने बालाघाट में किए जा रहे कार्यों को प्रभावी मॉडल के रूप में विकसित कर पूरे प्रदेश के लिए उदाहरण बनाने पर जोर दिया। बालाघाट में खसरा नियंत्रण के लिए बुखार एवं दाने वाले मामलों की विशेष निगरानी की जा रही है। ऐसे संदिग्ध मामलों में खसरा-रूबेला की जांच सुनिश्चित की जा रही है। नियमित टीकाकरण से छूटे बच्चों की पहचान कर उन्हें रूब्र वैक्सीन से सुरक्षित करने के लिए कैच-अप राउंड एवं आउटब्रेक रिस्पॉन्स इम्युनाइजेशन (हृब्रद्ध) गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अब तक लगभग 27 हजार बच्चों का टीकाकरण किया जा चुका है, जबकि हृब्रद्ध के अंतर्गत 1 से 10 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 15 हजार बच्चों का टीकाकरण किया गया है।

हॉट सूट मॉडल ने खींचा ध्यान, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी पूछ रहे ट्रांसमिशन सिस्टम से जुड़े सवाल

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल में 22 से 26 सितंबर 2026 तक आयोजित पांच दिवसीय राज्य स्तरीय 13वें भोपाल विज्ञान मेले में मध्यप्रदेश शासन के उपक्रम, मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) का स्टॉल आगंतुकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। स्टॉल पर चालू ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस में विशेष प्रशिक्षित लाइन स्टाफ द्वारा उपयोग किए जाने वाले हॉट सूट पहने लाइन मेंटेनेंस कर्मी के मॉडल विशेष रूप से लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। एमपी ट्रांसको के स्टॉल पर स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थी बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। मॉडल और तकनीकी व्यवस्थाओं को देखकर छात्र-छात्राएं ट्रांसमिशन लाइनों, सबस्टेशनों, विद्युत आपूर्ति के संचालन तथा आधुनिक तकनीकों से जुड़े अनेक सवाल पूछ रहे हैं। एमपी ट्रांसको के अधिकारी एवं तकनीकी विशेषज्ञ विद्यार्थियों के प्रश्नों का सरल भाषा में समाधान कर रहे हैं और मॉडलों के माध्यम से उन्हें विद्युत ट्रांसमिशन तंत्र की कार्यप्रणाली समझा रहे हैं। अधिकारियों के साथ संवाद में विद्यार्थी ट्रांसमिशन क्षेत्र में उपयोग होने वाली नई तकनीकों को लेकर विशेष रुचि दिखा रहे हैं। एम पी ट्रांसको के कार्यपालक निदेशक श्री संदीप गायकवाड़ ने बताया कि ट्रांसमिशन कंपनी ने स्टॉल पर एसएलडीसी एवं स्काडा डिस्प्ले , रिमोट वीडियो सर्विलांस प्रणाली, ओपीजीडब्ल्यू एवं ऑप्टिकल फाइबर संचार नेटवर्क, आयसोलेटर के रिमोट संचालन, ऑप्टिकल फाइबर के वर्किंग मॉडल, ऑनलाइन स्काडा, जीआईएस सबस्टेशन की ऑनलाइन कैमरा डिस्प्ले तथा फॉल्ट लोकेटर जैसी आधुनिक तकनीकों को भी प्रदर्शित किया है। मल्टी-सर्किट ट्रांसमिशन लाइनों तथा सबस्टेशनों में उपयोग होने वाले विभिन्न उपकरणों के मॉडल भी यहां रखे गए हैं। स्टॉल पर मचान (स्कैफोल्डिंग), आपातकालीन बहाली प्रणाली (ईआरएस), विभिन्न प्रकार के ट्रांसमिशन कंडक्टर, जीआईएस एवं एआईएस सबस्टेशन, पाइल फाउंडेशन और भूमिगत केबल प्रणाली के मॉडल प्रदर्शित किए गए हैं।

भोपाल विज्ञान मेले में एमपी ट्रांसको का स्टॉल बना आकर्षण का केंद्र

106 जिला स्तरीय पोस्ट मेट्रिक छात्रावासों में किया आधुनिक मेस का लोकार्पण

प्रदेश के पिछड़ा वर्ग विद्यार्थियों के कल्याण के लिए 13 हजार 500 करोड़ रूपये की राशि खर्च : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पिछड़ा वर्ग के बालक-बालिकाओं को अब छात्रावास में गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक भोजन प्राप्त होगा। प्रदेश सरकार ने विद्यार्थियों के कल्याण के लिए यह व्यवस्था लागू की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गत लगभग डेढ़ दशक में पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए 13 हजार 500 करोड़ रुपए की सहायता राशि खर्च की गई है। इन वर्षों में 5 करोड़ से अधिक पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को योजनाओं का सीधा लाभ मिला है, जो राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का परिचायक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रदेश के 106 पोस्ट मेट्रिक छात्रावासों में 9000 विद्यार्थियों के लिए आधुनिक मेस सुविधा का लोकार्पण कर रहे थे। इस व्यवस्था पर 8 करोड़ 61 लाख रुपए की राशि व्यय हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस कार्य की सराहना करते हुए पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि बदलते दौर में छात्रावासों में आधुनिक सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। युवा भारत में मध्यप्रदेश सबसे युवा राज्य है, जहां पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को यह महत्वपूर्ण सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर इंदौर, शाजापुर, उज्जैन, देवास, शिवपुरी, सतना और अशोकनगर के पिछड़ा वर्ग छात्रावासों में रहने वाली बेटियों से बात की। छात्राओं ने कहा कि राज्य सरकार ने उन्हें यह उपयोगी सुविधा उपलब्ध करवाई है। अभी गैस सिलेंडर की व्यवस्था अथवा भोजन के लिए अन्यत्र जाने में समय लगता था और खर्च भी अधिक हो जाता था।

छात्राओं ने आधुनिक मेस सुविधा प्रारंभ करवाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव को धन्यवाद दिया। पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण पहल की। उन्होंने विभागीय छात्रावासों के समग्र विकास का संकल्प लिया, जिसे वे पूरा कर रहे हैं। टर्नकी प्रोजेक्ट के तहत छात्रावासों में आधुनिक किचन और डाइनिंग हॉल की व्यवस्था की गई है। अब छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों को पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित हो गई है। ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए यह सुविधा उपयोगी है, जो अपने परिवार से दूर रहकर पढ़ाई के लिए आते हैं और भोजन जैसी मूलभूत जरूरत की चिंता करते हैं। अब उनके परिवार पर आर्थिक बोझ भी कम होगा। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि नियमित और पौष्टिक भोजन उपलब्ध होने से विद्यार्थी पढ़ाई के प्रति एकाग्र होंगे और ज्यादा अच्छे परिणाम प्राप्त करेंगे। प्रदेश में अभी लगभग 9000 पिछड़ा वर्ग छात्रावास सीट्स हैं जिनमें 5200 बालकों और 3800 बालिकाओं के लिए रहने की सीट्स की व्यवस्था की गई है। जिला स्तरीय पिछड़ा वर्ग पोस्ट मेट्रिक छात्रावासों के प्रारंभ होने के बाद पहली बार विद्यार्थियों के लिए मेस व्यवस्था शुरू हुई है। यह विभाग के कार्यों में एक ऐतिहासिक कदम भी है। लोकार्पण कार्यक्रम में विभिन्न जिलों में अनेक जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए।

महिला पुलिस कर्मियों के बच्चों की सुविधा के लिए पुलिस पब्लिक स्कूल नेहरू नगर में नवनिर्मित वात्सल्य झूलाघर का शुभारंभ

पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने किया उद्घाटन, बोले-बच्चों की देखभाल की सुविधा से पुलिस अधिकारी-कर्मचारी निश्चिंत होकर कर सकेंगे अपने कर्तव्यों का निर्वहन

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों की पारिवारिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पुलिस पब्लिक स्कूल, नेहरू नगर में महिला पुलिस कर्मियों के छोटे बच्चों की देखभाल के लिए 60 बच्चों की क्षमता वाले नवनिर्मित वात्सल्य झूलाघर (डे-केयर सेंटर) का पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा द्वारा शुभारंभ किया गया। झूलाघर की सुविधा से ड्यूटी के दौरान छोटे बच्चों की देखभाल को लेकर पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को सुविधा एवं राहत मिलेगी। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने कहा कि पुलिस विभाग में महिला आरक्षक, महिला सब इंस्पेक्टर, डीएसपी सहित विभिन्न रैंक पर महिला अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही हैं। वर्तमान समय में पति-पत्नी दोनों के नौकरीपेशा होने की स्थिति भी सामान्य है। पहले संयुक्त परिवार व्यवस्था में दादा-दादी अथवा परिवार के अन्य सदस्य बच्चों की देखभाल कर लेते थे, लेकिन बदलते समय में नौकरी के लिए परिवार से बाहर रहना पड़ता है। ऐसे में छोटे बच्चों की देखभाल एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के छोटे बच्चों की उचित देखभाल बहुत जरूरी है, ताकि वे निश्चिंत होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें। पुलिस सेवा की प्रकृति ऐसी है कि कई बार लंबी अवधि तक ड्यूटी करनी पड़ती है, देर रात तक ड्यूटी रहती है तथा त्योहारों के अवसर पर भी पुलिसकर्मियों को अपने दायित्वों का निर्वहन करना पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों में झूलाघर जैसी सुविधा बच्चों की देखभाल सुनिश्चित करने के साथ ही पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी पर बेहतर ढंग से ध्यान केंद्रित करने में सहयोग करेगी। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि बच्चों की देखभाल की समुचित व्यवस्था पुलिस परिवारों के लिए महत्वपूर्ण सुविधा है। इससे विशेष रूप से महिला पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों और व्यावसायिक दायित्वों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर सकेंगी। झूलाघर के शुभारंभ अवसर पर विशेष पुलिस महानिदेशक श्री अनिल कुमार, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री जयदीप प्रसाद, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री डी. श्रीनिवास वर्मा, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री सोलोमन यश कुमार मिंज, भोपाल पुलिस आयुक्त श्री संजय कुमार, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्रीमति मोनिका शुक्ला, पीएसओ टू डीजीपी डॉ. विनीत कपूर, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। इसी अवसर पर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के परिवारों के लिए गरबा कार्यक्रम के आयोजन को लेकर बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की तैयारियों एवं अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा की गई।

विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को आत्मविकास, नेतृत्व और निरंतर सीखने के लिए किया प्रेरित

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आईईएचई), भोपाल के कृषि विभाग द्वारा 'एग्री विस्टा-2026' के अंतर्गत व्याख्यान सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं प्रतिपूरक वनीकरण निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण के विशेषज्ञ सदस्य श्री रमेश कुमार श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार, आधुनिक तकनीक और उद्यमिता की संभावनाओं से परिचित कराते हुए उनके व्यक्तित्व एवं व्यावसायिक कौशल का विकास करना रहा। संस्थान के संचालक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कृषि क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मक क्षमताओं का उपयोग करते हुए नवीन विचारों को व्यावहारिक रूप देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा विकसित 'फसल केयर' मोबाइल ऐप की सराहना करते हुए कृषि संबंधी समस्याओं के समाधान में आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया। कार्यक्रम में संपादकीय मंडल एवं स्वामीनाथन क्लब का शुभारंभ भी किया गया। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को शैक्षणिक, रचनात्मक एवं अनुसंधानपरक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। मुख्य अतिथि श्री रमेश कुमार श्रीवास्तव ने अपने व्याख्यान में विद्यार्थियों को योग्यता, कौशल, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता के निरंतर विकास का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा दूसरों से नहीं, बल्कि स्वयं से होनी चाहिए। विद्यार्थियों को आत्ममूल्यांकन, निरंतर अध्ययन और सकारात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से अपनी क्षमताओं को निखारने के लिए प्रेरित किया।

एग्री विस्टा 2026 में कृषि नवाचार और उद्यमिता पर जोर

अपहरण एवं षड्यंत्र में शामिल 4 आरोपी गिरफ्तार

रीवा से अपहृत ढाई वर्षीय मासूम बालिका 6 घंटे में सीधी से सकुशल दस्तयाब

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

रीवा में ढाई वर्षीय मासूम बालिका के अपहरण की सूचना मिलते ही मध्यप्रदेश पुलिस ने संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्रवाई करते हुए महज 6 घंटे के भीतर करीब 100 किलोमीटर दूर सीधी जिले के एक दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र से बालिका को सकुशल दस्तयाब कर लिया।

पुलिस टीम ने बालिका को सुरक्षित उसके परिजनों को सौंपते हुए अपहरण की घटना में शामिल 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मासूम की सकुशल वापसी के लिए पुलिस टीम ने रात में ही लगातार सर्चिंग, घेराबंदी और समन्वित कार्रवाई करते हुए अभियान चलाया। 23 सितम्बर रात्रि करीब 8:30 बजे बालिका के परिजन द्वारा थाना समान में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उनकी ढाई वर्षीय बालिका घर पर नहीं है तथा आसपास संभावित स्थानों पर तलाश के बाद भी उसका पता नहीं चल सका। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना समान में अपराध पंजीबद्ध कर तत्काल पुलिस टीम सक्रिय की गई। पुलिस द्वारा मुखबिर तंत्र को सक्रिय करने के साथ ही सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया गया। तकनीकी एवं मैदानी स्तर पर प्राप्त सुरागों के आधार पर संदिग्धों की पहचान की गई। पूछताछ में सामने आया कि बालिका को आंगनवाड़ी केंद्र से बोरी में रखकर दोपहिया वाहन से सीधी जिले की ओर ले जाया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना समान की टीम ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। पुलिस टीम ने रीवा से करीब 100 किलोमीटर दूर सीधी जिले के शिकारगंज के आगे स्थित दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र तक पहुंचकर लगातार तलाशी और घेराबंदी की।

रात में चलाए गए इस सर्च ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने बालिका को सकुशल दस्तयाब कर लिया। बालिका को सुरक्षित रीवा लाकर परिजनों के सुपुर्द किया गया। वहीं पुलिस ने घटना में शामिल 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनसे घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है। मध्यप्रदेश पुलिस की यह कार्रवाई मासूम बालिका की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सूचना मिलते ही त्वरित पुलिस रिस्पॉन्स, तकनीकी साक्ष्यों के उपयोग, मैदानी स्तर पर सतत प्रयास और टीमवर्क का उदाहरण है।

मध्यप्रदेश के विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण पर जाएंगे अहमदाबाद

मंत्री सिंह 27 सितंबर को भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से 630 सदस्यीय दल को हरी झंडी दिखाकर करेंगे रवाना

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

प्रदेश के विद्यार्थियों को शैक्षणिक गतिविधियों से जोड़ने तथा उनके ज्ञान और अनुभवों का विस्तार करने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के विद्यार्थियों को तीन दिवसीय अहमदाबाद का शैक्षणिक भ्रमण कराया जाएगा। 27 सितंबर को रानी कमलापति रेलवे स्टेशन भोपाल से 630 सदस्यीय दल रवाना होगा। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस दल में प्रदेश के लगभग 520 विद्यार्थी, 104 शिक्षक और विभाग के 6 नियंत्रण अधिकारी शामिल होंगे। भ्रमण के दौरान विद्यार्थी विज्ञान केंद्र, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सहित प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों का अवलोकन करेंगे। यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ व्यावहारिक ज्ञान और नए अनुभवों से जोड़ने में सहायक होगा। उल्लेखनीय है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 9वीं एवं 10वीं के विद्यार्थियों के लिए गणित एवं विज्ञान विषयों में ओलंपियाड परीक्षा आयोजित की गई थी। इसमें प्रदेश के लगभग 65 हजार विद्यार्थियों ने सहभागिता की थी। अब ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक्सपोजर विजिट का अवसर प्रदान किया जा रहा है। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को अहमदाबाद के प्रमुख शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक संस्थानों, विज्ञान केंद्र तथा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को देश की विविध उपलब्धियों, वैज्ञानिक गतिविधियों और शैक्षणिक संस्थानों की कार्यप्रणाली से परिचित कराना तथा उनके ज्ञान और अनुभवों को समृद्ध करना है। स्कूल शिक्षा विभाग की यह पहल विद्यार्थियों को कक्षा-कक्ष के अध्ययन से आगे बढ़कर प्रत्यक्ष अनुभवों के माध्यम से सीखने, नई संभावनाओं को समझने तथा अपने शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करने का अवसर प्रदान करेगी।

विज्ञान केंद्र, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सहित प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों का करेंगे भ्रमण

अवसर प्रदान करेगी। प्रदेश के विद्यार्थियों को शैक्षणिक गतिविधियों से जोड़ने तथा उनके ज्ञान और अनुभवों का विस्तार करने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के विद्यार्थियों को तीन दिवसीय अहमदाबाद का शैक्षणिक भ्रमण कराया जाएगा। 27 सितंबर को रानी कमलापति रेलवे स्टेशन भोपाल से 630 सदस्यीय दल रवाना होगा। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस दल में प्रदेश के लगभग 520 विद्यार्थी, 104 शिक्षक और विभाग के 6 नियंत्रण अधिकारी शामिल होंगे। भ्रमण के दौरान विद्यार्थी विज्ञान केंद्र, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सहित प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों का अवलोकन करेंगे। यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ व्यावहारिक ज्ञान और नए अनुभवों से जोड़ने में सहायक होगा। उल्लेखनीय है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 9वीं एवं 10वीं के विद्यार्थियों के लिए गणित एवं विज्ञान विषयों में ओलंपियाड परीक्षा आयोजित की गई थी। इसमें प्रदेश के लगभग 65 हजार विद्यार्थियों ने सहभागिता की थी। अब ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक्सपोजर विजिट का अवसर प्रदान किया जा रहा है। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को अहमदाबाद के प्रमुख शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक संस्थानों, विज्ञान केंद्र तथा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को देश की विविध उपलब्धियों, वैज्ञानिक गतिविधियों और शैक्षणिक संस्थानों की कार्यप्रणाली से परिचित कराना तथा उनके ज्ञान और अनुभवों को समृद्ध करना है। स्कूल शिक्षा विभाग की यह पहल विद्यार्थियों को कक्षा-कक्ष के अध्ययन से आगे बढ़कर प्रत्यक्ष अनुभवों के माध्यम से सीखने, नई संभावनाओं को समझने तथा अपने शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करने का अवसर प्रदान करेगी।

पसीना आने के बाद Perfume लगाना...Fragrance से जुड़ी आम गलतियां

फ्रेगरेंस बढ़िया हो तो अंदर से सुकून भरा महसूस होता है. जब हम परफ्यूम लगाकर कहीं जाते हैं तो कॉन्फिडेंट महसूस होता है, क्योंकि अच्छी खुशबू आ रही होती है, लेकिन इसे लगाने में कुछ गलतियां न करें.

परफ्यूम सिर्फ एक खुशबू भर नहीं है, बल्कि ये कॉन्फिडेंट और अंदर से अच्छा महसूस कराता है. जहां कुछ लोग खास मौकों पर इसे लगाना पसंद करते हैं तो कुछ डेली रूटीन में अलग-अलग तरह के परफ्यूम लगाने का शौक रखते हैं. ज्यादातर लोग इसे लगाने में कुछ कॉमन गलतियां करते हैं, जिससे ये लंबे समय तक नहीं टिकता है और फ्रेगरेंस गायब हो जाता है. आप भी अगर परफ्यूम लवर हैं तो आपको भी पता होना चाहिए कि वो कौन सी मिस्टेक हैं, जिन्हें अवॉइड करना चाहिए.

इत्र का इस्तेमाल खुशबू के लिए बेहद पुराने समय से होता आया है और आज ये स्प्रे वाली परफ्यूम की बोतलों में बदल चुका है. अभी भी लोग पारंपरिक इत्र का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन ज्यादातर लोग फ्रेगरेंस के लिए परफ्यूम ही लगाते हैं. इसे स्प्रे करने के दौरान कुछ बातें ध्यान में रखने की जरूरत होती है.

ड्राई स्किन पर परफ्यूम लगाना

बहुत सारे लोग सीधे ही त्वचा पर परफ्यूम स्प्रे कर लेते हैं, जिससे इसकी खुशबू जल्दी उड़ जाती है. जरूरी है कि आपकी त्वचा अच्छे से मॉइस्चराइज की गई हो. इसके लिए कोई मॉइस्चराइजर या फिर पेट्रोलियम जेली त्वचा पर लगाना चाहिए. इसके बाद परफ्यूम लगाएं.

कपड़ों पर ढेर सारा परफ्यूम लगाना

बहुत सारे लोग ये गलती करते हैं कि वो सिर्फ अपने कपड़ों पर ऊपर से ढेर सारा परफ्यूम लगाकर चले जाते हैं. इससे आपके कुछ कपड़े खराब भी हो सकते हैं. भले ही ये कुछ कपड़ों में ज्यादा देर तक रहे, लेकिन इस बात को ध्यान में रखना जरूरी होता है कि कपड़ों से कम से कम 6 से 8 इंच की दूरी रखकर ही परफ्यूम लगाना चाहिए. इसके अलावा इसे हल्के से स्किन पर स्प्रे करें. इससे जब ये त्वचा की गर्माहट के साथ मिलता है तो लंबे समय तक टिका रहता है.

बहुत ज्यादा पसीना आने पर परफ्यूम लगाना

परफ्यूम आपके शरीर को एक बढ़िया फ्रेगरेंस देता है और पसीने की बदबू को दबा देता है. हालांकि कई बार इसी वजह से देखा जाता है कि लोग बहुत ज्यादा पसीना आने पर परफ्यूम लगा लेते है. ये गलती नहीं करनी चाहिए, क्योंकि इस दौरान परफ्यूम लगाने से पसीने की गंध भी उसमें मिल जाती है, जो बहुत अजीब ल ग सकती है.

गीली त्वचा पर परफ्यूम लगाना

कुछ लोग नहाने के बाद सीधे गीली त्वचा पर परफ्यूम लगा लेते हैं जो सही नहीं रहता है. जरूरी है कि नहाने के बाद आप अपने शरीर को अच्छी तरह पोंछ लें. बस त्वचा नम रहनी चाहिए. इसी दौरान परफ्यूम लगाना सबसे सही रहता है. वहीं इससे भी बढ़िया है कि आप नम त्वचा पर मॉइस्चराइजर लगाएं और फिर परफ्यूम छिड़कें, क्योंकि हाइड्रेटेड स्किन पर खुशबू लंबे समय तक टिकी रहती है.

कलाइयों को आपस में रगड़ लेना

बहुत सारे लोगों को आपने देखा होगा कि वो कलाई पर परफ्यूम छिड़कने के बाद आपस में रगड़ लेते हैं, लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए. इससे परफ्यूम के मॉलीक्यूल टूटने लगते हैं और इस वजह से खुशबू देर तक नहीं टिकती है.

विद्यार्थियों की संख्या सवा तीन करोड़ घटी

सरकारी स्कूलों में भी अध्यापकों की भर्ती में काफी ढील वाला माहौल है और 33 फीसदी कमी की रिपोर्ट इसमें है। मजेदार सूचना यह है कि इस मामले में निजी स्कूलों का रिकार्ड सरकार से बेहतर है। इसके साथ ही यह भी हुआ है कि शहरी प्राइवेट स्कूलों में अध्यापकों को सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के मुकाबले बेहतर वेतन मिलता है लेकिन ग्रामीण इलाकों में शिक्षकों को वेतन कम मिलता है।

ह हैरान करने वाली बात है कि देश में शिक्षा की स्थिति को लेकर एक नामी और विश्वसनीय संस्था के सर्वेक्षण से निकले निष्कर्षों पर कोई चर्चा ही नहीं हुई है। खबर के रूप में कहीं-कहीं यह बात आई कि टाटा इंस्टिट्यूट आफ सोशल साइंस की रिपोर्ट %स्टेट आफ टीचर्स, टीचिंग एंड टीचर एजुकेशन इन इंडिया% नामक रिपोर्ट बताती है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने के बाद से बच्चों की संख्या में तीन साल में ही सवा तीन करोड़ की कमी आ गई है। 2021-22 में यह संख्या 26.5 करोड़ थी जो 2024-25 में घटकर 23.2 करोड़ रह गई है। शिक्षा अधिकार कानून और विकलांग लोगों के अधिकार कानून को लागू करने के बाद विद्यार्थियों की संख्या में बहुत तेज वृद्धि हुई थी और इन कानूनों के विरोधी कहते थे कि यह भीड़ सिर्फ खिचड़ी खाने वाले बच्चों की है, पढ़ने वालों की नहीं। टीस के इस सर्वेक्षण में इस तरह की मान्यता से शुरुआत नहीं हुई है लेकिन कुछ आंकड़े यह जरूर बताते हैं कि पढ़ाई का स्तर गिरा है और बच्चों के सीखने के बुनियादी स्तर में गिरावट आई है। शिक्षा के स्थिति संबंधी दो एनी सर्वेक्षणों से यह नतीजा आया है कि बच्चों के ज्ञान के स्तर के साथ सीखने के क्षमता में भी कमी आई है।इस रिपोर्ट की खूबी यह है कि इसने इस गिरावट को गरीब और फटेहाल बच्चों के स्कूल पहुंचने की परिघटना के रूप में न बताकर शिक्षकों की कमी और उनके भी ज्ञान में कमी से भी जोड़ा है। यह सर्वेक्षण महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, पंजाब, ओडिशा और मिजोरम में किया गया और यह नतीजा निकाला कि स्कूलों में गणित और विज्ञान के अध्यापकों की भारी कमी है। जो लोग गणित पढ़ा भी रहे हैं उनमें से पचास फीसदी ने ही हाई स्कूल में भी गणित की पढ़ाई की थी।

अंग्रेजी और भाषा पढ़ाने वालों का हाल इससे बेहतर है लेकिन वह भी 30 फीसदी की कमी वाला इलाका हैं।सरकारी स्कूलों में भी अध्यापकों की भर्ती में काफी ढील वाला माहौल है और 33 फीसदी कमी की रिपोर्ट इसमें है। मजेदार सूचना यह है कि इस मामले में निजी स्कूलों का रिकार्ड सरकार से बेहतर है। इसके साथ ही यह भी हुआ है कि शहरी प्राइवेट स्कूलों में अध्यापकों को सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के मुकाबले बेहतर वेतन मिलता है लेकिन ग्रामीण इलाकों में शिक्षकों को वेतन कम मिलता है ।

एक अन्य रिपोर्ट भी इसी प्रवृत्ति को बताती है जो पंजाब के स्कूलों को लेकर किया गया था। वहां की मुख्य शिकायत तो यही रही कि सरकारी स्कूल दलित स्कूल में बदल गए हैं क्योंकि बाकी लोग अपने बच्चों को निजी और अंग्रेजी मीडियम स्कूल में भेजते हैं। ऐसे स्कूल अब गांव-गांव में खुल गए हैं। यह बदलाव दिल्ली से लेकर बिहार तक में देखा जा सकता है। पंजाब के सरकारी स्कूलों में अच्छे भवन हैं, शिक्षक हैं, पढ़ने के बाकी साधन हैं लेकिन समाज के ऊंचे तबके के बच्चे नदारद हैं।

बिहार के देहात तक में पहुंचे प्राइवेट स्कूल, जो असल में बेरोजगार और पढ़े-लिखे लड़के-लड़कियों के बल पर ही चलते हैं। अब हास्टल और ट्रांसपोर्ट का इंतजाम कराके दूर-दूर से बच्चे जुटाने लगे हैं। टीस वाली रिपोर्ट में छात्रों की संख्या की गिरावट को रेखांकित करने के साथ यह भी बताया गया है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 लागू होने के बाद से शिक्षकों की संख्या में छह लाख की बढ़ोतरी हो गई है। ऐसे में छात्रों की संख्या गिरना ज्यादा चिंता की बात है।रिपोर्ट में एक दूसरी धनात्मक प्रवृत्ति को भी रेखांकित किया गया है कि अध्यापकों में महिला शिक्षिकाओं का हिस्सा तेजी से बढ़ा है। अब यह 54 फीसदी तक पहुंच गया है जो भारत के लिए गर्व की बात होनी चाहिए पर इसमें एक कमी है। यह वृद्धि शहरी ज्यादा है ग्रामीण कम। शहरी शिक्षकों में महिलाओं का हिस्सा जहां 67 फीसदी है वहीं ग्रामीण इलाकों में उनका अनुपात 47 फीसदी है। यह चिंता की खास बात नहीं है लेकिन रिपोर्ट में एक कक्षा में कई-कई वर्ग के विद्यार्थियों को साथ पढ़ाने का मर्ज बढ़ता गया है। पहले वाले सर्वेक्षण में ऐसा 39 फीसदी कक्षाओं के साथ था तो अब यह बढ़कर लगभग आधा हो गया है। यह अनुपात सरकारी स्कूलों का है। बल्कि कई स्कूल तो अकेले मास्टर के बल पर चल रहे हैं।संसाधनों के प्रबंधन और विद्यार्थियों की कमी के नाम पर उनको बंद करने की परिघटना अलग चिंता का विषय है। बंद होने वाले स्कूलों के मामले में उत्तर प्रदेश चैंपियन है। ऐसा दिल्ली में भी हुआ है जहां लंबे समय तक शासन करने वाले आप के लोग सरकारी स्कूलों पर ज़्यादा ध्यान देने का दावा करते रहे हैं।

निजी स्कूलों की मनमानी रोकने के लिए अनहोम ने जरूर काफ़ी प्रयास किया लेकिन उनके शासन में भी सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या घटी। शिक्षा के अंदर के बदलावों के साथ यह भी अच्छा हुआ है कि शिक्षा का मामला चुनावी मुद्दा बन रहा है। इस बार उत्तर प्रदेश में भी स्कूलों का बड़े पैमाने पर बंद होना मुद्दा बन गया है। दिल्ली में यह लगातार एक मुद्दा रहा है। ऐसे में इस रिपोर्ट के नतीजों पर चर्चा न होना हैरान करता है।

संपादकीय

जवाबदेही तय हो

आये दिन देश के विभिन्न निजी विश्वविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता और आर्थिक संसाधन जुटाने में पारदर्शिता के अभाव की खबरें सुर्खियां बनती रहती हैं। कुछ विश्वविद्यालयों ने अपनी सुविधा के हिसाब से कायदे-कानून बनाने और शैक्षिक जवाबदेही से बचने के रास्ते भी निकाल लिए हैं। इसी आलोक में देश भर के निजी विश्वविद्यालयों के लिए सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देशों का स्वागत ही किया जाना चाहिए। दरअसल, कई तरह के आक्षेपों के बाद शीर्ष अदालत ने प्राइवेट यूनिवर्सिटीज के संचालकों से पूछा है कि वे बताएं कि उनके विश्वविद्यालयों में वित्तीय संसाधन कैसे जुटाये जाते हैं? संसाधनों का प्रबंधन किस तरह से किया जाता है? इसके अलावा ये विश्वविद्यालय इस धन का प्रयोग किस तरह से करते हैं? सही मायने में अदालत का यह निर्देश विश्वविद्यालयों के आय और व्यय के सामान्य ऑडिट से कहीं आगे की बात करता है। दूसरे शब्दों में अदालत के निर्देशों में यह जानने का प्रयास किया गया है कि प्रवेश के समय छात्रों को सुविधाओं के जो सब्जबाग दिखाए जाते हैं उसके मुकाबले हकीकत में कितनी सुविधाएं मिलती हैं। कह सकते हैं कि यह एक आवश्यक रियलिटी चेक है। वास्तव में कोर्ट की जिज्ञासा के पीछे ठोस कारण भी हैं। दरअसल, समाज में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि शिक्षा का क्षेत्र धीरे-धीरे एक बिजनेस मॉडल का रूप लेने लगा है। आक्षेप तो यहां तक हैं कि शिक्षा का ये कारोबार रियल एस्टेट मॉडल में बदल गया है। जहां सिर्फ इस बात से ही फर्क पड़ता है कि कितने छात्र दाखिला ले रहे हैं और विभिन्न प्रकार के शुल्क लगाने से इन संस्थानों को कितना मुनाफा हो रहा है। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी तार्किक ही है कि प्राइवेट यूनिवर्सिटीज को शिक्षा के व्यापक सार्वजनिक उद्देश्य को पूरा करना चाहिए। वे सिर्फ मुनाफे के लिये ही काम नहीं कर सकते। कोर्ट का कहने का अभिप्राय है कि छात्रों के किसी भी तरह के शोषण को रोकने के लिये मजबूत नियामक संस्था की निगरानी जरूरी है।निस्संदेह, इस तथ्य की अनदेखी नहीं की जा सकती है कि दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश में उच्च शिक्षा की मांग तेजी से बढ़ी है। वहीं सरकारी विश्वविद्यालय इस मांग को पूरा करने में असमर्थ हैं। वजह साफ है कि वित्तीय संसाधनों की कमी के चलते सरकारी संस्थान ज्यादा संख्या में छात्रों को मौका देने में विफल नजर आते हैं। जिसके चलते देश में निजी विश्वविद्यालयों को पांव पसारने का मौका मिल रहा है। वहीं एक हकीकत यह भी है कि कड़ी स्पर्धा वाले निजी क्षेत्र ने बीते कुछ वर्षों में आधी-अधूरी सच्चाइयों का सहारा लेकर अपना कारोबार बढ़ाया है। पर्याप्त शैक्षिक ढांचा न होने, योग्य-अनुभवी शिक्षकों की कमी और प्रभावी अकादमिक शोध की अनदेखी के बावजूद विश्वविद्यालय परिसरों में उपलब्ध सुविधाओं को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाता है। वहीं दूसरी ओर प्लेसमेंट के बाबत भी आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। दरअसल, यदि फैकल्टी डेवलपमेंट की कमी एक समस्या है, तो उससे अधिक चिंता करने वाली बात यह भी है कि कम स्टाफ पर ज्यादा काम करने का अतिरिक्त बोझ भी है। अंततः इस सब का खामियाजा छात्रों को ही भुगतना पड़ता है, क्योंकि उनके हितों से ही समझौता किया जाता है। वहीं सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद निजी विश्वविद्यालयों के लिये फीस स्ट्रक्चर, कर्मचारियों के वेतन, अन्य खर्चों व सरकार से मिलने वाले फायदों या भर्ती और शिक्षा के मानकों के बारे बढ़ा-चढ़ाकर जानकारी देना मुश्किल नहीं होगा। कागजी कार्यवाही पूरी करने की उनकी महारत पर कोई संदेह नहीं किया जा सकता है। सही मायने में असली चुनौती सख्त जांच-पड़ताल की होगी। खासकर उस वातावरण में जहां लंबे समय से नियमों और सही तौर-तरीकों की अनदेखी की जाती रही है। हकीकत में निजी विश्वविद्यालयों के लिये जिम्मेदारी और जवाबदेही अनिवार्य शर्त होनी चाहिए। विश्वास किया जाना चाहिए कि देश में उच्च शिक्षा का नियमन करने वाली संस्थाएं अब अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी से करेंगी। तभी सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के सार्थक परिणाम सामने आ सकते हैं।

तेल, संप्रभुता, दबाव और भारत: ट्रम्प के रूस पर प्रतिबंध

सवाल यह नहीं कि भारत रूस का समर्थन करता है, बल्कि यह कि क्या कोई बड़ी शक्ति ऐसे दौर में रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रख सकती है जब व्यापार, वित्त और प्रतिबंध तेज़ी से हथियार बनाए जा रहे हैं। ट्रम्प की टैरिफ धमकी भारत की ऊर्जा निर्भरता को अमेरिकी दबाव में बदलने की कोशिश करती है, जबकि भारत की प्रतिक्रिया इस दबाव को राजनीतिक अधीनता में बदलने से रोकने की कोशिश करती है। राजनीति

शिंगटन के रूस-प्रतिबंध कानून पर भारत की चेतावनी महज़ टैरिफ विवाद नहीं है। यह रणनीतिक स्वायत्तता, ऊर्जा सुरक्षा और बाहरी दबाव के बिना विदेश नीति चलाने के अधिकार की रक्षा है। चीन की सतर्क प्रतिक्रिया एक बड़े मुक़ाबले की ओर इशारा करती है– एशिया के आर्थिक फ़ैसले कौन तय करेगा, जबकि युद्ध, व्यापार और तेल आपस में जुड़ते जा रहे हैं।अमेरिका अपनी रूस नीति को आर्थिक दबाव के व्यापक हथियार में बदल रहा है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने %लिंडसे ओ. ग्राहम रूस और ईरान प्रतिबंध अधिनियम 2026' पारित किया है, जो राष्ट्रपति ट्रम्प को रूसी तेल-गैस ख़रीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार देता है। यह विधेयक 262-159 मतों से पारित हुआ और रूस के ऊर्जा-रक्षा क्षेत्रों के साथ उसके %छाया बेड़े% को भी निशाना बनाता है, जिस पर मॉस्को को प्रतिबंधों से बचने में मदद करने का आरोप है।भारत के लिए असली मुद्दा यह नहीं कि दंडात्मक टैरिफ रूसी तेल को महंगा बना देगा, बल्कि यह कि क्या वाशिंगटन नई दिल्ली की ऊर्जा और विदेश नीति की शर्तें तय कर सकता है। भारत के विदेश मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि प्रस्तावित उपाय द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित कर सकते हैं, साथ ही भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए %सभी आवश्यक क़दम' उठाएगा।

यह भाषा सोच-समझकर चुनी गई है। नई दिल्ली ने, न तो जवाबी कार्रवाई की धमकी दी, न वाशिंगटन से बातचीत नकारी, बल्कि इस विवाद को संप्रभुता के दायरे में रखा। भारत का तर्क है कि वह राष्ट्रीय ज़रूरतों, बाज़ार हालात और आपूर्ति की उपलब्धता के आधार पर तेल ख़रीदता है, न कि यूक्रेन युद्ध में रूस के समर्थन के रूप में। इसका एक पुराना सिद्धांत भी है – किसी दूसरे देश के प्रतिबंधों को उसके अधिकार-क्षेत्र से बाहर स्वतः स्वीकार नहीं किया जाएगा।इस दृढ़ प्रतिक्रिया के पीछे आर्थिक हित हैं। वित्त वर्ष 2026 में रूस भारत के तेल आयात का लगभग 30.3 प्रतिशत आपूर्ति करता रहा, जिसकी क़ीमत लगभग 40.8 अरब डॉलर थी। जुलाई में रूसी आपूर्ति भारत के आयातित तेल के आधे से अधिक तक पहुंच गई, जो अमीरात, सऊदी अरब, वेनेज़ुएला, ब्राज़ील, ओमान और अमेरिका की कुल आपूर्ति से भी अधिक थी।

यह निर्भरता केवल व्यावसायिक नहीं है। रूसी तेल ने भारतीय रिफ़ाइनरियों को ऐसे समय में रियायती दरों पर तेल हासिल करने में मदद दी है जब मध्य-पूर्व में संघर्ष, आपूर्ति में व्यवधान और अस्थिरता बनी हुई है।रूसी आपूर्ति की जगह लेना न तुरंत संभव होगा, न बिना क़ीमत के। भारत सऊदी अरब, इराक़, अमीरात, अमेरिका, ब्राज़ील या वेनेज़ुएला से अधिक तेल ख़रीद सकता है, पर वैकल्पिक खेप महंगी या कम भरोसेमंद हो सकती है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य अब भी अहम ऊर्जा गलियारा है, जबकि पश्चिम एशिया के संघर्ष ने क़ीमतों और शिपिंग बीमा की अनिश्चितता बढ़ा दी है। रूसी आयात में जबरन कमी भारत में ईंधन, परिवहन और औद्योगिक उत्पादन की लागत बढ़ा सकती है।इसका असर तेल बाज़ार से भी आगे जाएगा। भारतीय निर्यातक पहले से अमेरिकी व्यापारिक क़दमों के सामने कमज़ोर हैं। 100 प्रतिशत टैरिफ कई भारतीय उत्पादों को अमेरिकी बाज़ार में प्रतिस्पर्धी नहीं रहने देगा, जिससे टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग, दवाइयों, रसायनों और छोटे उद्योगों पर दबाव बढ़ेगा। इसका झटका रोज़गार और निर्यात आय कमज़ोर कर सकता है और व्यापार वार्ता और जटिल बना सकता है, यही वजह है कि विश्लेषक इसे भारत के ख़िलाफ़ सौदेबाज़ी का हथियार भी मानते हैं।

यहीं ट्रम्प का पहलू महत्वपूर्ण हो जाता है। ट्रम्प टैरिफ को व्यापारिक संरक्षण से ज़्यादा दबाव का साधन मानते हैं। उनका प्रशासन इसे घरेलू स्तर पर रूस के युद्ध को वित्तीय मदद देने वाली सरकारों को दंडित करने के तरीक़े के रूप में पेश कर सकता है, जबकि भारत के ख़िलाफ़ धमकी का इस्तेमाल व्यापार, बाज़ार पहुंच और ऊर्जा ख़रीद से जुड़ी रियायतें हासिल करने के लिए कर सकता है।यह क़ानून वार्ता के मक़सद को भी पूरा कर सकता है। भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत चल रही है, पर टैरिफ, कृषि पहुंच, औद्योगिक संरक्षण और नियामक मानकों पर मतभेद बने हुए हैं। सख़्त टैरिफ की धमकी ऐसा माहौल बनाती है जिसमें नई दिल्ली पर कम अनुकूल शर्तों पर समझौता स्वीकार करने का दबाव बढ़ सकता है। भारतीय विश्लेषकों के अनुसार रूस का मुद्दा भारत को अ समान व्यापार समझौते के लिए मजबूर करने का बहाना बन सकता है।ट्रम्प की गणना घरेलू राजनीति से भी प्रभावित हो सकती है। रूस के ख़िलाफ़ सख़्ती उन सांसदों को पसंद है जो यूक्रेन युद्ध पर एक कड़ा रुख़ चाहते हैं, जबकि टैरिफ उन मतदाताओं को भाते हैं जो व्यापारिक दबाव को अमेरिकी उद्योग की रक्षा का ज़रिया मानते हैं। प्रतिबंधों और टैरिफ को मिलाकर प्रशासन को लचीला हथियार मिल जाता है– अधिकतम दंड की धमकी, बिना अनिवार्य अमल के, जबकि बातचीत की गुंजाइश भी बनी रहती है।हालांकि इस नीति में एक विरोधाभास है। यदि अमेरिका वाक़ई रूस की तेल आय कम करना चाहता है, तो भारत को रूसी तेल छोड़ने पर मजबूर करना वैश्विक आपूर्ति में बाधा डाल सकता है और क़ीमतें बढ़ा सकता है। भारतीय रिफ़ाइनरियां रूसी तेल की इकलौती ख़रीदार नहीं हैं, और यह तेल आसानी से दूसरे नेटवर्क से बिक सकता है। वैश्विक क़ीमतों में बढ़ोतरी मॉस्को की प्रति बैरल आय बढ़ा सकती है, भले ही निर्यात मात्रा घटे। यह धमकी रूस को निर्णायक रूप से कमज़ोर किए बिना अमेरिकी सहयोगियों और उपभोक्ताओं को नुक़सान पहुंचा सकती है।चीन की प्रतिक्रिया इस संकट में एक और परत जोड़ती है। बीजिंग भारत से कहीं बड़ा रूसी ऊर्जा ख़रीदार है, फिर भी चीनी टिप्पणियां खुले टकराव के बजाय सतर्क रही हैं–एक सोची-समझी रणनीति के तहत। चीन वाशिंगटन को व्यापक व्यापारिक टकराव का आसान बहाना नहीं देना चाहता, ख़ासकर जब उसकी अर्थव्यवस्था पहले से अमेरिकी टैरिफ और तकनीकी प्रतिबंधों की चपेट में है। साथ ही, बीजिंग यह स्वीकार करने की संभावना नहीं रखता कि वाशिंगटन तय करे कि एशियाई देश किन ऊर्जा आपूर्तिकर्ताओं का उपयोग कर सकते हैं।

चीन की सतर्कता एक रणनीतिक धैर्य का रूप भी ले सकती है। बीजिंग यह देख सकता है कि क्या अमेरिका वाक़ई अधिकतम टैरिफ लागू करता है, क्या भारत प्रतिरोध या बातचीत करता है, और क्या यूरोपीय देशों को छूट मिलती है। कोई भी दोहरा मापदंड चीन के इस तर्क को मज़बूत करेगा कि नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था अमेरिकी हितों के अनुसार चुनिंदा ढंग से लागू की जा रही है।भारत के लिए भू-राजनीतिक नतीजे भी महत्वपूर्ण हैं। यह विवाद भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी की गति कमज़ोर कर सकता है, जो चीन को लेकर साझा चिंताओं और रक्षा, तकनीक व हिंद-प्रशांत सहयोग के आधार पर बढ़ी है। वाशिंगटन का दबाव नई दिल्ली को मुश्किल स्थिति में डालता है– उससे चीन के ख़िलाफ़ क़रीबी तालमेल की उम्मीद की जाती है, जबकि रूस से स्वतंत्र संबंध बनाए रखने पर उसे दंडित किया जा रहा है।यह विरोधाभास भारत को और विविधीकरण की ओर धकेल सकता है–तेल आपूर्तिकर्ताओं के अलावा भुगतान प्रणालियों, शिपिंग व्यवस्थाओं, रक्षा साझेदारियों और कूटनीतिक संबंधों में भी। इससे रूस के साथ सहयोग मज़बूत हो सकता है, खाड़ी देशों के साथ ऊर्जा समन्वय बढ़ सकता है, और तनाव के बावजूद चीन के साथ नए व्यापारिक या सप्लाई के अवसर कायम हो सकते हैं।भारत केवल वाशिंगटन की धमकी के चलते रूसी तेल छोड़ने की संभावना नहीं रखता। ऐसा करने के तात्कालिक नुक़सान हैं, जबकि कूटनीतिक लाभ अनिश्चित हैं। फिर भी, अगर छूट कम हो, प्रतिबंधों का जोखिम बढ़े या वैकल्पिक आपूर्ति प्रतिस्पर्धी हो जाए, तो नई दिल्ली धीरे-धीरे निर्भरता घटा सकती है। ऐसा बदलाव बाज़ार-आधारित समायोजन होगा; टैरिफ के दबाव में लिया फ़ैसला अलग नज़र से देखा जाएगा।

असली सवाल यह नहीं कि भारत रूस का समर्थन करता है, बल्कि यह कि क्या कोई बड़ी शक्ति ऐसे दौर में रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रख सकती है जब व्यापार, वित्त और प्रतिबंध तेज़ी से हथियार बनाए जा रहे हैं। ट्रम्प की टैरिफ धमकी भारत की ऊर्जा निर्भरता को अमेरिकी दबाव में बदलने की कोशिश करती है, जबकि भारत की प्रतिक्रिया इस दबाव को राजनीतिक अधीनता में बदलने से रोकने की कोशिश करती है।

थायराइड

भी हो सकता है थकान का कारण

क्या आपके साथ भी ऐसे होता है कि आप सारा दिन काम करते करते इतना थक जाती है कि आप अपना मनपंसद टी.वी शो भी अच्छी तरह से नहीं देख पाती और घर में हमेशा थका-थका महसूस करती है। घर पर सीढियां चढ़ने के वक्त,कोई भी काम करने के वक्त या बैड से उठने के वक्त भी ऐसा महसूस होना कि जितनी नींद हमने ली है वो अभी भी पर्याप्त नहीं है। स्वस्थ ऊर्जा का निर्माण स्वास्थ्यवर्द्धक पाचन प्रणाली से शुरू होता है।विटामिन बी की कमी से भी थकान महसूस होती है। हल्की थकान तथा गंभीर थकान में से आप खुद को किसका शिकार महसूस करती हैं और वास्तव में आपके साथ गलत क्या हो रहा है ?

- थकावट महसूस होने के कई कारण हो सकते है। जब भी शरीर में थकावट महसूस हो तो थोड़ा इधर-उधर टहल कर आप अपनी थकावट को दूर कर सकती है।जब आप थकी होती हैं तो आपका मैटाबोलिक रेट कम हो जाता है और आप कम कैलोरीज बर्न करती हैं। इसी कारण आपको थकावट महसूस होती है। कसरत करने से भी आप सारा दिन बेहतर महसूस करेंगी और काम करने के बाद भी थकावट कम महसूस होगी।
- हमारे शरीर में थकान महसूस होने के कई कारण हो सकते है। कई बार विटामिन्स की कमी होने पर भी हम कोई भी काम करने के बाद थकावट महसूस करते है। आयरन की कमी होने पर भी थकान महसूस होती है। यदि आपको अपनी त्वचा पीली दिखाई दे, अपनी धड़कन तेज महसूस हो और चिड़चिड़ापन महसूस हो तो आयरन से भरपूर डाइट आपको इस समस्या से निजात पाने में सहायक हो सकती है।
- अपने वातावरण को ताजा बनाए रखें और बोर होने से बचें जब भी आप बोर हो रही हो तो संगीत का लुत्फ उठा सकती है और बोरियत आपके मूड को प्रभावित करती है।
- आपकी थकावट का कारण थायराइड भी हो सकता है। सुबह के समय थकान थायराइड की कमजोर कार्यप्रणाली का चिन्ह हो सकती है। इसलिए थायराइड की जांच अवश्य करवाएं।
- भरपूर नींद न लेने की वजह से भी आप सारा दिन थकान महसूस कर सकती है।शरीर के लिए भरपूर नींद लेना भी बहुत जरूरी होता है। इसलिए रात के समय कम से कम 8 घंटे नींद लेना जरूरी है और दिन के समय बीच में कम से कम 20-30 मिनट की नींद जरूर लें ।
- दिन में भारी भोजन करने की बजाय अपने भोजन में साबुत अनाज, ओट्स, अंकुरित खाद्य तथा बहुत सारी सब्जियां तथा फल शामिल करें।

ताकि दर्द में न बीतें सर्दियां

सर्दियों में जुकाम और खांसी से बचकर रहें सर्दियों में जुकाम और खांसी से बचकर रहें

सर्दियों को वैसे तो खाने पीने और घूमने फिरने का मौसम माना जाता है, लेकिन हेल्थ प्रॉब्लम्स भी इस मौसम में परेशान करती हैं। अब जब सर्दियों ने दस्तक दे ही दी है, तो क्यों न इस मौसम की दिक्कतों से बचने के लिए हम पहले से ही करते चलें बचाव के इंतजाम। यहां पर कुछ हेल्थ टिप्स दिये हुए हैं, जिन्हें आप सर्दियों में फिट रहने के लिये इस्तेमाल कर सकती हैं -

सर्दी, जुकाम, खांसी

इस मौसम की कॉमन प्रॉब्लम है सर्दी, जुकाम और खांसी। अगर आपको हर दिन सुबह उठते ही छींक आती है और जुकाम जैसा लगता है, तो परेशान होने की कोई जरूरत नहीं। यह प्रॉब्लम होती है एलर्जी की वजह से और एलर्जी से आप तभी बचकर रह सकती हैं, जब आप हेल्दी डाइट लेंगी।

वायरल के लक्षण हैं

सिर दर्द, आंखों से पानी बहना, बदन टूटा सा लगना वगैरह। इसके इलाज के लिए बैलेंस डायट लेना जरूरी है। विटामिन, प्रोटीन और मिनरल्स की सही मात्रा होनी चाहिए। खाने में फल और हरी सब्जियां ज्यादा हों।

क्या करें

अपनी डेली डायट में सेब, मौसमी फल, अंगूर और फिश को शामिल करें। ये प्रॉब्लम्स एलर्जी की वजह से होती हैं और ये फूड आपको एलर्जी से बचाए रखेंगे। इसके अलावा गर्मागर्म ब्लैक टी भी आपको इस प्रॉब्लम से दूर रखने में हेल्प करेगी। अगर आप इस प्रॉब्लम पर गौर नहीं करेंगी, तो आपकी बॉडी की प्रतिरोधात्मक क्षमता कम होती चली जाएगी। वैसे, यह प्रॉब्लम उन जगहों पर ज्यादा होती है, जहां ठंडी हवाएं चलती हैं। सर्दी से बचने के लिए चेस्ट को अच्छी तरह से ढककर रखें, गले को लपेट कर और गरम कपड़े पहनें। डॉक्टर की सलाह पर दवाएं लें। नाक बंद हो तो स्टीम लें।एक रिसर्च के मुताबिक, जो महिलाएं हफ्ते में 5 दिन तकरीबन 45 मिनट एक्सरसाइज करती हैं, उन्हें जुकाम कम होता है।

सीताफल

स्वादिष्ट मीठे फल के 10 गुण

सीताफल इतने गुणों से भरपूर है कि शायद ही शरीर का कोई हिस्सा ऐसा हो जिसे यह फायदा न पहुंचाता हो। जानिए सीताफल के 10 गुणों के बारे में...

1. सीताफल में वजन बढ़ाने की क्षमता भरपूर होती है और अगर आप वजन बढ़ाने के सारे जतन करके थक चुके हैं तो तैयार हो जाएं एक नए और मीठे उपाय के लिए। आपको बस सीताफल को अपनी डाइट का हिस्सा बनाना है और आपका मनचाहा फिगर आप पा सकेंगे बहुत ही जल्दी।

2. सीताफल में प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट विटामिन सी बहुत ज्यादा मात्रा में होता है। विटामिन सी में शरीर की रोगों से लड़ने वाली शक्ति यानी इम्युन सिस्टम को बढ़ाने की क्षमता होती है तो हर दिन एक बार सीताफल खाइए और भगाइए दूर बीमारियों को।
3. क्या आप अक्सर कमजोरी महसूस करते हैं? सीताफल आपकी यह परेशानी दूर कर सकता है। सीताफल बहुत ही अच्छा एनर्जी का स्रोत होता है और इसके सेवन से थकावट और मसल्स मतलब मांसपेशियों की कमजोरी आपको बिलकुल भी महसूस नहीं होगी। बस, सीताफल को अपनी डाइट में शामिल कर लीजिए।
4. विटामिन बी कॉम्प्लेक्स से भरा हुआ सीताफल दिमाग को शीतलता देने का भी काम करता है। यह आपको चिड़चिड़ेपन से बचाकर निराशा को दूर रखता है। तो फिर बस, सीताफल अपनाइए और अपनी मानसिक शांति को रखिए अपने साथ हमेशा।
5. सीताफल आपके दांतों के स्वास्थ्य के लिए भी बहुत उत्तम है। इसको नियमित खाकर आप दांतों और मसूड़ों में होने वाले दर्द से छुटकारा पा सकते हैं।
6. खून की कमी यानी एनीमिया से बचना अब बिलकुल आसान है। सीताफल का हर दिन इस्तेमाल खून की अल्पता को खत्म कर देता है और उल्टियों के प्रभाव को भी कम करता है।
7. सीताफल आंखों की देखने की क्षमता बढ़ाता है, क्योंकि इसमें विटामिन सी और रिबोफ्लॉविन काफी ज्यादा होता है। इससे नंबर के चश्मे को आप खुद से बड़ी आसानी से दूर रख सकते हैं।
8. सीताफल में मौजूद मैग्नीशियम शरीर में पानी को संतुलित करता है और इस तरह से जोड़ों में होने वाले अम्ल को हटा देता है। यह अम्ल गठिया रोग का मुख्य कारण होता है और इस तरह से सीताफल गठिया रोग से सुरक्षा करता है।
9. दिल की तंदुरुस्ती अब बिलकुल आसान है। इसमें सोडियम और पोटेशियम संतुलित मात्रा में होते हैं जिससे खून का बहाव यानी ब्लड प्रेशर में अचानक होने वाले बदलाव नियंत्रित हो जाते हैं।
10. दोनों प्रकार की शुगर को संतुलित रखना सीताफल के उपयोग के साथ बहुत ही आसान है। इसमें शरीर में होने वाली शुगर को सोख लेने का गुण होता है और इस तरह से यह शुगर का शरीर में स्तर सामान्य बनाए रखता है।

सीताफल एक लाजवाब, स्वादिष्ट और मीठा फल होने के साथ-साथ अपने में अनगिनत औषधीय गुणों को शामिल किए हुए है। पूरे शरीर को स्वस्थ और बीमारियों से दूर रखने का यह एक बहुत ही आसान उपाय है।

भोजन के साथ चाय या कॉफी पीने के नुक्सान

कई लोग भोजन के साथ या भोजन के बाद चाय का सेवन करने के शौकीन होते है लेकिन भोजन के साथ चाय या कॉफी का अत्यधिक सेवन करना नुक्सानदायक साबित हो सकता है।चाय या कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से हमारे शरीर को कई रोगों का शिकार होना पड़ सकता है जैसे ब्लड प्रैशर की समस्या, मधुमेह और वजन बढ़ने की समस्या,पेट संबंधी समस्याएं भी पैदा हो सकती है।चाय या कॉफी में अत्यधिक कैफीन होने को कारण यह हमारे शरीर के लिए नुक्सानदायक साबित होती है।कई लोगों का ऐसा मानने है कि भोजन के साथ चाय पीने से भोजन आसानी से पच जाता है लेकिन ऐसा न होकर इसका बुरा प्रभाव हमारे शरीर पर पड़ता है।आइए जानें भोजन के साथ चाय या कॉफी पीने के नुक्सान।

- भोजन के साथ चाय या कॉफी पीने से पेट संबंधी समस्याएं जैसे एसीडिटी की समस्या पैदा हो सकती है और पाचन क्रिया पर भी बुरा असर पड़ता है।
- चाय का अत्यधिक सेवन करने से मुंह की समस्याएं पैदा हो सकती है ,चाय ज्यादा पीने से गले और मुंह में खुश्की की समस्या पैदा हो सकती है।
- चाय का अत्यधिक सेवन करने से इसमें मौजूद कैफीन हमारे शरीर के लिए नुक्सानदायक साबित हो सकता है ,कैफीन हमारे शरीर में एसिड बना देता है जिसका सीधा असर हमारी किडनी पर पड़ता है।
- चाय या कॉफी पीने से आंतो पर बुरा असर पड़ता है और यह आंतों को भी कमजोर बना देती है।
- भोजन के साथ चाय या कॉफी का सेवन करने से भोजन में मौजूद पौष्टिक पदार्थ हमारे शरीर तक नहीं पहुंच पाते।
- चाय या कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से अनिद्रा जैसी बीमारी का भी शिकार होना पड़ सकता है।
- चाय या कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से फेफड़ों पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है।

जैतून का तेल रखता है दिल को दुरुस्त

जैतून तेल का नियमित इस्तेमाल दिल को तो दुरुस्त बनाता ही है, दिल संबंधी बीमारियों के जोखिमों को भी घटाता है। ग्लासगो तथा लिस्बन विश्वविद्यालयों और जर्मनी में मोसाइक्यूज डायग्नोस्टिक्स के अध्ययनकर्ताओं ने जैतून के तेल का असर जानने के लिए मिलकर काम किया।अमेरिकी जर्नल क्लीनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित अध्ययन में जैतून सहित पौधे में पाए जाने वाले प्राकृतिक अवयव फेनोलिक्स के हृदय पर पड़ने वाले असर को परखा गया। अमेरिका में संघीय औषधि प्रशासन और यूरोपीय खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण का मानना है कि मोनोसैचुरेटेड फैटी एसिड के साथ फेनोलिक्स, जैतून के तेल के रक्षात्मक प्रभाव के लिए जिम्मेदार होता है। अध्ययन का पहलू यह रहा कि लक्षित समूहों पर इसका असर देखा गया यानी ऐसे लोग जो हमेशा जैतून का तेल इस्तेमाल नहीं करते हैं। स्वास्थ्य पर तेल पूरकों के असर के अध्ययन के लिए अध्ययन टीम ने नई डायग्नोस्टिक तकनीक को आजमाया। धमनी संबंधी (सीएडी), किडनी संबंधी (सीकेडी) और मधुमेह जैसी बीमारियों के संकेत के लिए पहचानी गई पेपटाइड्स (खंडित प्रोटीन से निर्मित) के रेंज को जानने के लिए पेशाब के नमूने की जांच की गई। परिणाम से पता चला कि दोनों समूहों में बीमारी की सबसे सामान्य किस्म सीएडी के नतीजे में बड़ा बदलाव दिखा।

विटामिन बी1 की कमी ब्रेन को कर देती है फेल

नई खोज से पता चला है कि विटामिन बी1 की कमी से ब्रेन की घातक बीमारी वैनिक इंसेफैलॉपथी हो सकती है। ऐल्कॉहॉल और एड्स के 75-80 पर्सेंट केसों में इस बीमारी के होने की आशंका रहती है। यह ब्रेन की ऐसी बीमारी है, जिसमें समय पर इलाज नहीं होने पर मरीज इंसेफैलॉपथी का शिकार हो जाता है।

मेटाबॉलिक संतुलन बिगड़ने और नशीले पदार्थ का सेवन करने से यह बीमारी होती है। लायोला यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर के न्यूरॉलजिस्ट के मुताबिक, वैनिक इंसेफैलॉपथी से पीड़ित में कन्फ्यूजन, भ्रम, कोमा, मांसपेशियों की कमजोरी और दृष्टि दोष जैसी दिक्कतें होती हैं। यही बाद में स्थायी तौर पर ब्रेन डैमेज का कारण बनती हैं और मरीज की मौत भी हो जाती है। साइंस अमेरिकन मेडिसिन जर्नल में इस नई खोज को प्रकाशित किया गया है।

हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेसः- स्वामी, प्रकाशक, फिरदौस फातिमा द्वारा एफ-1, अनमोल होम, प्लाट नं0 53, गोविन्द गार्डेन, राइसेन रोड़, भोपाल मध्य प्रदेश-462023 से प्रकाशित एवं अशोक कुमार खुराना, द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रचर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बाइपास रोड़ भोपाल मध्य प्रदेश-462037 से मुद्रक। पंजीयन संख्या : **MPHIN/26/A1603,** संपादकः परवेज आलम,मो0 9336781957, पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। इससे उत्पन्न समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद न्यायालय भोपाल होगा।

बीमारी के साइड इफेक्ट्स पर छलका

दीपिका कक्कड़

का दर्द, बताया क्यों नामुमकिन है टीवी सीरियल्स में लौटना?

टीवी की चहेती बहू और 'ससुराल सिमर का' फेम दीपिका कक्कड़ अपनी जिंदगी की सबसे मुश्किल जंग बेहद हौसले और मुस्कान के साथ लड़ रही हैं. लिवर कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का इलाज करवा रहीं दीपिका ने अपने फैंस को एक बड़ी खुशखबरी दी है. वे एक बार फिर कैमरे के सामने लौट आई हैं. दीपिका जल्द ही अपने पति और एक्टर शोएब इब्राहिम के साथ एक रोमांटिक म्यूजिक वीडियो में नजर आने वाली हैं. हालांकि, इस कमबैक की खुशी के साथ-साथ दीपिका ने टीवी इंडस्ट्री की कड़वी हकीकत और अपनी सेहत को लेकर ऐसा दर्द बयां किया है, जिसने उनके फैंस को भावुक कर दिया है. दीपिका ने कहा है कि मौजूदा हालात में वो डेली सोप (टीवी सीरियल) में काम करने के बारे में सोच भी नहीं सकतीं.

अपने लेटेस्ट व्लॉग में वापसी का जिक्र करते हुए दीपिका ने कहा, देखिए, इस वक्त मेरी जैसी मेडिकल कंडीशन है, उसे देखते हुए डेली सोप करना मेरे लिए बिल्कुल मुमकिन नहीं लगता. और सच कहूं तो कोई मुझे इस तरह के गंभीर ट्रीटमेंट के बीच कास्ट भी क्यों करेगा? ये इंडस्ट्री में बहुत आम बात है. दीपिका ने आगे कहा कि उन्हें इस बात का कोई मलाल नहीं है, क्योंकि वे जानती हैं कि इलाज के अपने साइड इफेक्ट्स होते हैं. लेकिन एक दिन का म्यूजिक वीडियो शूट ऐसा प्रोजेक्ट था जिसे वो अपनी सेहत के हिसाब से मैनेज कर सकती थीं.

10 मिनट में हांफ जाता था शरीर

म्यूजिक वीडियो के लिए डांस रिहर्सल के दिनों को याद करते हुए दीपिका भावुक हो गईं. उन्होंने बताया कि लंबे समय बाद जब वे डांस फ्लोर पर उतरीं, तो उन्हें अहसास हुआ कि बीमारी और दवाइयों ने उनके शरीर को अंदर से कितना कमजोर कर दिया है. रिहर्सल के दौरान उन्हें हर 10 मिनट में बैठना पड़ता था और ब्रेक लेना पड़ता था. दीपिका ने बताया कि

गाने की शूटिंग पूरी हो चुकी है. वो अपनी इस छोटी सी वापसी को लेकर नर्वस भी थीं और बेहद उत्साहित भी, क्योंकि लंबे समय बाद उन्हें वही पुराना माहौल दोबारा जीने का मौका मिला.

2025 से जारी है कैंसर से जंग

तबीयत को लेकर दीपिका कक्कड़ का सफर काफी चुनौतियों भरा रहा है. साल 2025 में उन्हें स्टेज 2 लिवर कैंसर का पता चला था, जिसके बाद जून 2025 में सर्जरी के जरिए उनके लिवर से ट्यूमर निकाला गया. इसके बाद फरवरी 2026 में लिवर में सिस्ट पाए जाने पर उनका एक और सफल प्रोसीजर हुआ. बाद में दो छोटे सिस्ट और दिखे, जिसके लिए डॉक्टरों ने सर्जरी के बजाय नियमित निगरानी और 'इम्यूनोथेरेपी' शुरू करने की सलाह दी.

दीपिका अक्सर अपने व्लॉग्स में इस थेरेपी के चलते होने वाली परेशानियों का जिक्र करती हैं. लगातार जी मिचलाना, उल्टियां, थकान और कमजोरी ने उनकी भूख और एनर्जी लेवल को काफी प्रभावित किया है.

यहां तक कि उल्टियों की वजह से एक वक्त उनका चाय पीने तक का मन नहीं करता था. इन तमाम मुश्किलों और कमजोरियों के बावजूद दीपिका का मुस्कुराते हुए कैमरे के सामने लौटना ये साबित करता है कि उनका जज्बा बीमारी से कहीं ज्यादा मजबूत है. अब फैंस को बेसब्री से शोएब और दीपिका के इस नए गाने का इंतजार है.

झूठ की बुनियाद पर चल रहा था गेम? कुशाल तंवर के दावों की खुली पोल, शादी और तलाक पर बड़ा खुलासा

'बिग बॉस 20' के घर में कंटेस्टेंट्स के चेहरे पर चढ़ा मुखौटा कितनी देर टिक सकता है? रियलिटी टीवी के तथाकथित 'चॉकलेटी बॉय' और 'रोडीज' फेम कुशाल तंवर उर्फ गुल्लू के मामले में ये मुखौटा दूसरे ही हफ्ते में तार-तार हो गया है. खुद को एकदम सिंगल, बेपरवाह और नए कनेक्शन तलाशने वाला बैचलर दिखाकर घर में दाखिल हुए गुल्लू का एक ऐसा बड़ा झूठ बेनकाब हुआ है, जिसने दर्शकों के साथ उनके फैंस को सन्न कर दिया है. अतीत में इंटरनेट पर अपनी शादी की तस्वीरों को 'फेक' और 'एडवर्टाइजमेंट का झूठा स्टंट' बताने वाले गुल्लू ने आखिरकार कैमरे के सामने कबूल कर लिया है कि वे न सिर्फ शादीशुदा थे, बल्कि 2024 में उनका बाकायदा तलाक भी हो चुका है.

दरअसल, कुछ समय पहले जब शेरवानी और सेहरे में गुल्लू की शादी की तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हुई थीं, तो उन्होंने बड़े-बड़े इंटरव्यूज में बयान दिए थे कि ये तस्वीरें झूठी हैं, किसी प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं और उनका शादी से दूर-दूर तक कोई लेना-देना नहीं है. इतना ही नहीं, डेटिंग रियलिटी शो 'स्प्लिट्सविला X6' में भी वे खुद को अनमैरिड और सिंगल दिखाकर ही पहुंचे, जहां कायरा अनू के साथ लव-एंगल बनाकर उन्होंने ट्रॉफी जीती. 'बिग बॉस 20' के घर में भी उनकी एंट्री इसी 'सिंगल और लवरबॉय' वाली छवि के साथ हुई, जहां वे कभी लड़कियों से फ्लर्ट करते तो कभी नई केमिस्ट्री बनाने की फिराक में दिखे. लेकिन आज के एपिसोड में जब काजी तौकीर के साथ बात निकली, तो गुल्लू खुद ही अपने पुराने बयानों को झुठलाते नजर आए.

नेशनल टीवी पर बड़ा खुलासा ?

गुल्लू ने काजी के सामने खुलासा करते हुए कहा,मेरा कोई मामूली ब्रेकअप नहीं हुआ था, मेरा बाकायदा तलाक हुआ था. परिवार के दबाव में आकर शादी करनी पड़ी थी, जो 4 से 5 महीने ही चल पाई. साल 2024 में हमारा तलाक हुआ.

लीक तस्वीरों पर क्यों बोला था झूठ ?

गुल्लू ने नेशनल टीवी पर यह भी स्वीकार किया कि जब वे गोवा में रोडीज की शूटिंग कर रहे थे, तभी उनकी शादी की ये तस्वीरें लीक हो गई थीं. उस वक्त अपनी रियलिटी शो की इमेज और करियर बचाने के चक्कर में उन्होंने मीडिया और जनता के सामने साफ झूठ बोल दिया कि यह कोई असली शादी नहीं, बल्कि फर्जी तस्वीरें हैं. अब सवाल यह उठता है कि अगर शादी वाकई हुई थी और कानूनी तलाक तक बात पहुंची थी, तो इतने दिनों तक फैंस और दर्शकों की आंखों में धूल क्यों झोंकी गई? क्या डेटिंग शोज जीतने और बिग बॉस में खुद को 'हॉट सिंगल' साबित करने के लिए शादी के इस सच को दबाया गया था?

उदिति सिंह ने बताया क्यों करण वाही संग रिश्ते से खुश नहीं थे उनके माता-पिता

बिग बॉस 20' में टीवी एक्टर करण वाही की एक्स गर्लफ्रेंड उदिति सिंह भी नजर आ रही हैं. उदिति घर में फालतू का शोर-शोराबा या बिना वजह की लड़ाई-झगड़े नहीं कर रही हैं. यही वजह है कि कई लोग उन्हें पसंद भी कर रहे हैं. वो अरिशफा खान और काजी तौकीर के साथ ज्यादा समय बिताती हैं और उनके साथ ही बैठना पसंद करती हैं. इससे पहले उदिति ने माही विज और कनिका मान के साथ बातचीत में करण वाही संग अपने रिश्ते को लेकर बात की थी, जिसे याद कर उदिति काफी इमोशनल भी हो गई थीं. वहीं, अब एक्ट्रेस ने खुलासा किया है कि, करण संग उनके रिश्ते को लेकर उनके पेरेंट्स खुश नहीं थे.

उदिति ने बताया कि जब वह करण को डेट कर रही थीं, तब उनके माता-पिता इस रिश्ते से खुश नहीं थे. इसकी एक वजह दोनों के बीच 10 साल का एज गैप था. इसके अलावा उनके माता-पिता इस बात को लेकर भी सहज नहीं थे कि उदिति एक एक्टर को डेट कर रही हैं.

गुल्लू और अमन गांधी से शेयर की बात

उदिति ने ये बातें 'बिग बॉस 20' के घर में गुल्लू और अमन गांधी से बातचीत के दौरान बताईं. उन्होंने यह भी बताया कि वह करण से मिलने के लिए लंदन से मुंबई आया करती थीं. करण उस समय कई एक्टर्स के साथ फुटबॉल खेलते थे, जिसकी वजह से उदिति की मुलाकात कुछ दूसरे सितारों से भी हुई. इसी दौरान उनकी मुलाकात रणबीर कपूर से भी हुई, जिन्हें वह पहले से पसंद करती थीं.

उदिति ने बताया, सबसे पहले मैं अपने एक्स से मिलने आई थी, क्योंकि वह इन सभी एक्टर्स के साथ फुटबॉल खेलता था. अभिषेक, रणबीर और बाकी लोग. मैं रणबीर से मिली क्योंकि मैं उनकी फैन थी. मैं करण से मिलने बॉम्बे आया करती थी. लेकिन वह बहुत पॉपुलर था और उसने एक स्टोरी डाल दी.

सोशल मीडिया पोस्ट से परिवार को पता चला

उदिति ने बताया कि वह अपने परिवार को बिना बताए लंदन से मुंबई करण से मिलने आई थीं. हालांकि, करण के सोशल मीडिया पोस्ट के बाद उनके माता-पिता को उनके रिश्ते के बारे में पता चल गया. उदिति के मुताबिक, उनकी मां इस रिश्ते को लेकर खुश नहीं थीं.

पत्नी सुनीता के बाद अब कोमल रानी संग लालबागचा राजा पहुंचे

गोविंदा

बप्पा के दरबार से वायरल हुआ वीडियो

बॉलीवुड के 'हीरो नंबर वन' गोविंदा इन दिनों अपनी फिल्मों से ज्यादा अपनी निजी जिंदगी में मची उथल-पुथल को लेकर चर्चा में बने हुए हैं. 40 साल पुराने वैवाहिक जीवन में आई दरार और तलाक की चर्चाओं के बीच गोविंदा का एक ताजा वीडियो सामने आया है. मंगलवार शाम गोविंदा मुंबई के मशहूर 'लालबागचा राजा' के दरबार में गणपति बप्पा का आशीर्वाद लेने पहुंचे, लेकिन इस बार उनके साथ उनकी पत्नी सुनीता आहूजा या बच्चे नहीं, बल्कि उनकी को-स्टार और रूमर्ड गर्लफ्रेंड कोमल रानी स्वर्णकार नजर आईं. दिलचस्प बात ये है कि अभी कुछ ही दिन पहले सुनीता आहूजा ने लालबागचा राजा के पंडाल में अकेले हाजिरी लगाई थी और बप्पा के आगे हाथ जोड़े थे. इसके ठीक बाद अब गोविंदा का कोमल रानी के साथ उसी पंडाल में जाना सोशल मीडिया यूजर्स की नजरों में खटक रहा है.

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो और तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि गोविंदा अपनी टीम और कोमल रानी के साथ पंडाल में दाखिल हुए. दोनों ने साथ मिलकर बप्पा को प्रसाद चढ़ाया और आशीर्वाद लिया. इस दौरान वहां मौजूद पंडित जी ने दोनों के माथे पर तिलक भी लगाया. पंडाल से बाहर निकलते वक्त गोविंदा बेहद खुशमिजाज अंदाज में नजर आए. उन्होंने बाहर जुटी भारी भीड़ की तरफ हाथ हिलाकर अभिवादन किया और मुस्कुराते हुए फैंस का दिल जीता.

कौन हैं कोमल रानी ?

कोमल रानी पहली बार इस साल की शुरुआत में तब सुर्खियों में आई थीं, जब उनका नाम गोविंदा के साथ कथित रोमांटिक रिश्ते को लेकर जोड़ा जाने लगा था. हालांकि गोविंदा ने खुद इन खबरों को अफवाह बताते हुए कोमल को उनकी कमबैक फिल्म 'रूपा' से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं एक्ट्रेस बताया था और साथ में ये भी कहा था कि वो नए टैलेंट को प्रमोट कर रहे हैं. इसके अलावा चर्चा यह भी है कि वो गोविंदा की एक और आने वाली फिल्म 'दुनियादारी' में भी नजर आ सकती हैं, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक घोषणा होना बाकी है.

शादी, तलाक और दूसरी शादी की उड़ती अफवाहें

कानूनी तौर पर गोविंदा और सुनीता आहूजा आज भी पति-पत्नी हैं और दोनों का साथ चार दशकों पुराना है. इस साल दोनों के रिश्ते में उस वक्त भारी भूचाल आ गया था जब अलग होने (तलाक) की अर्जी तक दाखिल कर दी गई थी. हालांकि, हाल ही में सुनीता ने अपनी तलाक की याचिका वापस ले ली थी. सुनीता का दावा था कि जब उन्हें पता चला कि गोविंदा अभिनेत्री कोमल रानी से शादी करने की योजना बना रहे हैं, तब उन्होंने यह कदम उठाया. दूसरी तरफ, गोविंदा के मैनेजर शशि सिन्हा ने इन सभी दावों को बेबुनियाद बताते हुए साफ किया था कि दूसरी शादी जैसी कोई बात नहीं है और सुनीता ही गोविंदा की पत्नी हैं.बहरहाल, पहले पत्नी सुनीता का अकेले बप्पा के दर पर जाना और अब गोविंदा का अपनी को-स्टार कोमल रानी के साथ सार्वजनिक तौर पर पूजा करने वाला ये नजारा साफ इशारा कर रहा है.

एशियाई खेलः भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने चीनी ताइपे को 37-21 से हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

आइची-नगोया। भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने एशियाई खेलों में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए ग्रुप-ए के आखिरी मुकाबले में चीनी ताइपे को 37-21 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत ने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। टोकाई सिटीजन जिम्नेजियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। असलम इनामदार और राहुल सेठपाल ने प्रभावी खेल दिखाते हुए चीनी ताइपे के रेडरों पर दबाव बनाया। सेठपाल के शानदार एंकल होल्ड की मदद से भारत ने शुरुआती बढ़त बनाई और पहला ऑलआउट हासिल किया। चीनी ताइपे ने बोनस अंक और सुपर टैकल के जरिए वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय टीम ने रेड और डिफेंस दोनों में लगातार अंक जुटाए। भारत ने एक और ऑलआउट हासिल करते हुए पहले हाफ की समाप्ति तक 23-11 की मजबूत बढ़त बना ली।

एशियाई खेल क्रिकेट : अफगानिस्तान ने जापान को 48 रन से हराकर जीत से खोला खाता

निसिन। अफगानिस्तान ने एशियाई खेल 2026 में पुरुष क्रिकेट के अपने पहले मुकाबले में मेजबान जापान को 48 रन से हराकर शानदार शुरुआत की। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए ग्रुप-ए के मुकाबले में अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 129/6 रन बनाए, जिसके जवाब में जापान की टीम 19.3 ओवर में 81 रन पर सिमट गई। अफगानिस्तान की जीत में पदार्पण कर रहे लेग स्पिनर अरब गुल मोमंद ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 8 रन देकर चार विकेट झटके। उनके अलावा बाएं हाथ के स्पिनर नांगेयालिया खारोटी ने तीन विकेट लिए, जबकि अब्दुल्ला अहमदजई और नजीबुल्लाह जादरान ने भी विकेट हासिल किए। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। हसन ईसाखिल 10 गेंदों में तीन रन बनाकर आउट हुए। पदार्पण कर रहे सलामी बल्लेबाज मोहम्मद अकरम ने 29 गेंदों में 34 रन बनाकर पारी को संभाला। एक समय अफगानिस्तान का स्कोर 15.1 ओवर में 79/4 था।इसके बाद कप्तान दरवेश रसूली और विकेटकीपर मोहम्मद इशाक ने तेजी से रन जुटाए। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए सिर्फ 25 गेंदों में 44 रन की साझेदारी की।

मजबूत टेस्ट टीम ही मजबूत क्रिकेट टीम, रेड-बॉल क्रिकेट हमारी प्राथमिकता : गौतम गंभीर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि देश में मजबूत टेस्ट क्रिकेट होना पूरे क्रिकेट ढांचे के लिए बेहद जरूरी है और रेड-बॉल क्रिकेट टीम की प्राथमिकता बना रहेगा। गंभीर ने भारत के नए घरेलू सत्र से पहले जियोस्टार से बातचीत में टीम के साथ अपने अब तक के कार्यकाल, टेस्ट क्रिकेट से मिली सीख और अलग-अलग कप्तानों के साथ काम करने के अनुभव पर बात की।गंभीर ने अपने कार्यकाल के बारे में कहा कि पिछले दो साल उतार-चढ़ाव से भरे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'दो साल पलक झपकते नहीं गुजर गए। मेरे हिस्से में भी उतार-चढ़ाव रहे हैं। मेरी अपनी असफलताएं और सफलताएं रही हैं। लेकिन मेरा हमेशा मानना रहा है कि जब आप इस तरह की जिम्मेदारी लेते हैं तो उतार-चढ़ाव आते ही हैं। चाहे टेस्ट क्रिकेट हो, एकदिवसीय क्रिकेट हो या टी20 क्रिकेट, मुझे सफलता मिली है, जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा, लेकिन असफलताएं भी मिली हैं और मैं उन्हें भी पूरी तरह स्वीकार करता हूं। ' टेस्ट क्रिकेट में बदलाव और हालिया परिणामों पर गंभीर ने कहा कि इंग्लैंड दौरे के बाद टीम ने अच्छा टेस्ट क्रिकेट खेला है, लेकिन टीम अभी भी बदलाव के दौर से गुजर रही है।

पीटी उषा ने रोशिबिना और सतनाम-सलमान को एशियाई खेल पदक पर दी बधाई

आइची-नगोया। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने एशियाई खेल 2026 में पदक जीतने वाली वुशु खिलाड़ी रोशिबिना देवी और रोइंग जोड़ी सतनाम सिंह व सलमान खान को बधाई दी है। रोशिबिना देवी ने महिलाओं की 60 किग्रा सांडा स्पर्धा में रजत पदक जीता। फाइनल में उन्हें चीन की झांग शियाओयू के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही रोशिबिना एशियाई खेलों में वुशु में लगातार तीन पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। उन्होंने 2018 में कांस्य और 2022 में रजत पदक जीता था। पीटी उषा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर रोशिबिना को बधाई देते हुए कहा, '60 किग्रा वर्ग में वुशु में एक और रजत पदक जीतने पर रोशिबिना देवी को बहुत-बहुत बधाई! आपका ऐतिहासिक तीसरा पदक इस खेल के प्रति आपके समर्पण को साबित करता है। ऊंचे लक्ष्य तय करती रहें और देश को गौरवान्वित करती रहें! '

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष ने एशियाई खेलों में भारतीय विजेताओं को दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को एशियाई खेलों में भारतीय विजेताओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी।

राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर लिखा, एशियाई खेल 2026 में वुशू के महिलाओं के 60 किग्रा सांडा इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर रोशिबिना देवी नाओरेम, पुरुषों के डबल स्कल्स इवेंट में ब्रॉन्ज़ मेडल जीतने पर सतनाम सिंह एवं सलमान खान और ब्रॉन्ज़ मेडल जीतने पर भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम को बहुत-बहुत बधाई। लगातार तीन एशियाई खेलों में तीन मेडल जीतना भारतीय वुशू के लिए एक शानदार उपलब्धि और ऐतिहासिक मील का पत्थर है। आपकी प्रेरणादायक यात्रा में ऐसे ही और भी गर्व के पल आते रहें। वहीं, सतनाम सिंह और सलमान खान का प्रदर्शन

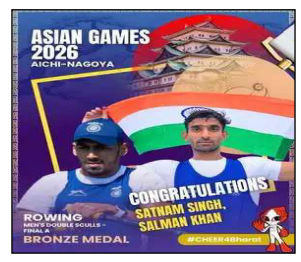

टीमवर्क, सहनशक्ति और कमिटमेंट की उस मजबूती को दिखाता है जिसकी रोइंग में जरूरत होती है। आप दोनों भविष्य में और भी बड़ी सफलताएं हासिल करें। यह सराहनीय उपलब्धि पुरुष बैडमिंटन टीम के दृढ़ संकल्प, सहनशक्ति और लड़ने के जज्बे को दर्शाती है। इस गौरवपूर्ण सफलता में टीम के हर सदस्य ने अहम योगदान दिया। भविष्य के प्रयासों के लिए पूरी टीम को शुभकामनाएं। उप राष्ट्रपति ने कहा कि सतनाम और सलमान का पोडियम तक पहुंचना उनकी बेहतरीन टीमवर्क और सहनशक्ति को दिखाता है, वहीं रोशिबिना का लगातार तीसरा एशियन गेम्स मेडल जीतना भारतीय वुशु के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उम्मीद है कि वे देश के लिए आगे भी गर्व के कई और पल लेकर आएंगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि रोशिबिना देवी की यह उपलब्धि भारत के लिए बेहद गर्व का क्षण है और एशियाई मंच पर उनके समर्पण, दृढ़ संकल्प और निरंतरता का प्रमाण है। वहीं पुरुषों के डबल स्कल्स रोइंग इवेंट में ब्रॉन्ज़ मेडल जीतने वाले सतनाम और सलमान की जोड़ी ने बेहतरीन तालमेल, ताकत, लय तथा दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए पोडियम पर जगह बनाई और भारत के मेडल टैली में एक और मेडल जोड़ा। इस शानदार उपलब्धि के लिए सतनाम और सलमान को बधाई! वे इसी तरह प्रेरणा देते रहें और भारत का मान बढ़ाते रहें। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि नाओरेम रोशिबिना देवी लगातार तीन एशियाई खेलों में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय वुशू एथलीट बन गई हैं, जो उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन और दृढ़ संकल्प का एक शानदार उदाहरण है। उनका प्रदर्शन भारतीय एथलीटों की नई पीढ़ी को बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा।

एशियाई खेल 2026: महिला एकल स्क्वॉश के क्वार्टर फाइनल में आमने-सामने होंगी अनाहत और तन्वी

एजेंसी

आइची-नगोया। भारतीय स्क्वॉश खिलाड़ियों अनाहत सिंह और तन्वी खन्ना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई खेल 2026 की महिला एकल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। दोनों भारतीय खिलाड़ियों की जीत के बाद अब क्वार्टर फाइनल में उनका आमना-सामना होगा। तीसरी वरीयता प्राप्त अनाहत सिंह ने सिंगापुर की ऑ यॉन्ग वाई लिन को सीधे तीन गेम में 11-4, 11-5, 11-7 से हराया। विश्व कप विजेता अनाहत ने मुकाबले की शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और आसानी से क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं, तन्वी खन्ना ने सिंगापुर की ऑ यॉन्ग वाई यान को 5-11, 11-4, 11-5, 13-11 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। तन्वी को पहले गेम में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार तीन गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। इस जीत के साथ महिला एकल स्क्वॉश में ऑल इंडिया क्वार्टर फाइनल तय हो गया है। अब अनाहत और तन्वी में से एक खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचेगी।एशियाई खेलों की स्क्वॉश स्पर्धा का विजेता 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करेगा। स्क्वॉश 2028 ओलंपिक में पहली बार शामिल होगा। इससे पहले भारतीय जोड़ी जोशना चिनप्पा और वेलावन सेंथिलकुमार ने मिश्रित युगल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

पुणे करेगा यूसीआई रोड वर्ल्ड चैंपियनशिप 2032 की मेजबानी

पहली बार भारत में आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। पुणे ने 2032 की यूनियन साइक्लिस्ट इंटरनेशनल (यूसीआई) रोड वर्ल्ड चैंपियनशिप की मेजबानी का अधिकार हासिल कर लिया है। इसके साथ ही पहली बार साइकिलिंग की इस प्रतिष्ठित वैश्विक प्रतियोगिता का आयोजन भारत में होगा। महाराष्ट्र सरकार और साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीएफआई) ने भारत सरकार के समर्थन से पुणे की दावेदारी पेश की थी। एक प्रेस रिलीज में यह जानकारी दी गई। यूसीआई कांग्रेस में कनाडा के मॉन्ट्रियल में पुणे की अंतिम प्रस्तुति के बाद मेजबानी की घोषणा की गई। इस अवसर पर महाराष्ट्र सरकार का एक वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद था। यूसीआई रोड वर्ल्ड चैंपियनशिप अंतरराष्ट्रीय साइकिलिंग कैलेंडर की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में शामिल है, जिसमें दुनिया के शीर्ष साइकिलिस्ट इंद्रधनुषी जर्सी के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। साल 2025 में रवांडा के किगाली में आयोजित चैंपियनशिप में 113 देशों के 734 साइकिलिस्टों ने हिस्सा लिया था और करीब 20 लाख दर्शक पहुंचे थे। भारत के लिए यह आयोजन देश में वैश्विक साइकिलिंग समुदाय को लाने के साथ-साथ खिलाड़ियों के विकास, बुनियादी ढांचे, खेल में भागीदारी और विशेषज्ञता को बढ़ाने का

अवसर होगा। पुणे की दावेदारी में भारत के बड़े साइकिलिंग आधार, जमीनी स्तर पर बढ़ती लोकप्रियता और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी के अनुभव को प्रमुखता दी गई। साल 2026 पुणे ग्रैंड टूर ने भी बड़े आयोजन के संचालन की क्षमता प्रदर्शित की। इस प्रतियोगिता के दौरान 25 से अधिक सरकारी विभागों के बीच समन्वय और 437 किलोमीटर रेस-रेडी सड़कों की व्यवस्था की गई थी। 2032 तक पुणे को छह वर्षों का ग्रैंड टूर अनुभव प्राप्त हो जाएगा। यूसीआई अध्यक्ष डेविड लैपार्टिएंट ने कहा कि पुणे ग्रैंड टूर से संबंधित रिपोर्ट बेहद उत्साहजनक है। उन्होंने कहा कि भारत में साइकिलिंग के विकास की व्यापक संभावनाएं हैं और प्रमुख हितधारकों की प्रतिबद्धता इस खेल के भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत है। पुणे के जिला कलेक्टर जितेंद्र दुदी ने कहा कि यह पुणे और भारत के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। उनके अनुसार, चैंपियनशिप की मेजबानी से एलीट खेल के साथ जनभागीदारी, पर्यटन, आर्थिक गतिविधियों और वैश्विक स्तर पर पुणे की पहचान को बढ़ावा मिलेगा। साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव मनिंदर पाल सिंह ने कहा कि 2032 तक का समय भारतीय खिलाड़ियों, कोचों और तकनीकी अधिकारियों के लिए बेहतर अवसर और मजबूत प्रणाली तैयार करने में इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय साइकिलिंग के उच्चतम मानकों के अनुरूप अपना तंत्र विकसित करना है।

महिला प्रीमियर लीगः मुंबई इंडियंस ने ल्यूक विलियम्स को बनाया मुख्य कोच

एजेंसी

मुबंई। मुंबई इंडियंस ने आगामी महिला प्रीमियर लीग के 2027 सत्र से पहले ल्यूक विलियम्स को टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। इसके साथ ही पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर लिसा काइटली की मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच के रूप में जिम्मेदारी समाप्त हो गई है। मुंबई इंडियंस ने एक बयान में कहा कि लिसा काइटली के स्थान पर ल्यूक विलियम्स को नियुक्त किया गया है। टीम की सह-मालिक नीता एम. अंबानी ने विलियम्स का स्वागत करते हुए कहा कि उनके पास महिला क्रिकेट की गहरी समझ, समृद्ध अनुभव और खिलाड़ियों के विकास के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि टीम ने महिला प्रीमियर लीग में एक मजबूत विरासत बनाई है और उन्हें उम्मीद है कि विलियम्स के मार्गदर्शन तथा हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में टीम आगे भी विकास और सफलता हासिल करेगी। नीता अंबानी ने लिसा काइटली के योगदान के लिए उनका आभार भी

जताया और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। नवनियुक्त मुख्य कोच ल्यूक विलियम्स ने कहा कि वह मुंबई इंडियंस से जुड़कर उत्साहित हैं। उन्होंने टीम के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के साथ काम करने को लेकर खुशी जताते हुए कहा कि टीम के पास मिलकर कुछ खास तैयार करने, रोमांचक क्रिकेट खेलने और सफलता के लिए प्रतिस्पर्धा करने का शानदार अवसर है। विलियम्स को ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और भारत में करीब दो दशक तक कोचिंग का अनुभव है। वह 2025 से इंग्लैंड की महिला टीम के सहायक कोच की भूमिका भी निभा रहे हैं। उन्हें 2005-06, 2007-08 और 2009-10 सत्र में ग्रेड क्रिकेट के लिए तीन बार ब्रैडमैन मेडल भी मिला था। मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग के अब तक खेले गए चार सत्रों में दो बार खिताब जीता है। टीम ने 2023 और 2025 में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में ट्रॉफी अपने नाम की थी। हालांकि पिछले सत्र में टीम आठ मैचों में तीन जीत और पांच हार के साथ चौथे स्थान पर रही और प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी। पिछले सत्र का खिताब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने दूसरी बार जीता था।

एशियाई खेलः चोट के कारण राउंड ऑफ-16 में मुक्केबाज सुमित कुंडू का अभियान समाप्त

एजेंसी

आइची-नगोया। भारतीय मुक्केबाज सुमित कुंडू का एशियाई खेल 2026 में पुरुषों के 70 किग्रा वर्ग का अभियान चोट के कारण समाप्त हो गया। इराक के अली अल-सराय के खिलाफ राउंड ऑफ-16 मुकाबले में सुमित ने शुरुआती दो राउंड में बढ़त बनाई, लेकिन तीसरे राउंड की शुरुआत में घुटने में चोट लगने के बाद उन्हें रेफरी स्टॉप्स कॉन्टेस्ट के जरिए मुकाबला गंवाना पड़ा।

सुमित ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और अपनी लंबाई तथा शारीरिक मजबूती का फायदा उठाते हुए कई प्रभावी पंच लगाए। उन्होंने पहला राउंड अपने नाम किया। दूसरे राउंड में भी सुमित ने 3-2 से बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, तीसरे राउंड की शुरुआत में फिसलने के बाद सुमित लंगड़ाते नजर आए। घुटने की चोट के कारण वह मुकाबला जारी रखने की स्थिति में नहीं थे और रेफरी ने मुकाबला रोक दिया।

इससे पहले सुमित ने सोमवार को प्रारंभिक मुकाबले में थाईलैंड के बुनजोंग सिंसिरी को सर्वसम्मत निर्णय से 5-0 से हराकर राउंड ऑफ-16 में जगह बनाई थी। उस मुकाबले में सुमित ने शुरुआत में विपक्षी के आक्रामक तेवरों का सामना करने के बाद धीरे-धीरे लय हासिल की और प्रभावी पंचों के दम पर तीनों राउंड में अपना दबदबा बनाया। सुमित ने पहले राउंड में 4-1 से बढ़त

बनाई, जबकि दूसरे राउंड में भी उनके सटीक पंचों ने उन्हें बढ़त दिलाई। तीसरे राउंड में उन्होंने संयमित खेल दिखाते हुए अनावश्यक टकराव से बचते हुए मुकाबले पर नियंत्रण बनाए रखा। सभी पांचों जजों ने तीसरा राउंड सुमित के पक्ष में दिया और उन्होंने 5-0 से मुकाबला अपने नाम किया था।

एशियाई खेल : अनंतजीत-परिनाज की जोड़ी ने मिश्रित टीम स्कीट में जीता कांस्य

एजेंसी

आइची-नगोया। भारतीय निशानेबाज अनंतजीत सिंह नरूका और परिनाज़ धालीवाल ने गुरुवार को एशियाई खेल-2026 में मिश्रित टीम स्कीट स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत की पदक संख्या 15 पहुंचा दी। यह एशियाई खेलो में मिश्रित टीम स्कीट स्पर्धा में भारत का पहला पदक है। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में छह सीरीज के बाद 44 अंक हासिल किए। चीन ने 52 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीतकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। दक्षिण कोरिया ने 51 अंक के साथ रजत पदक अपने नाम किया। चीन ने जनवरी में कतर द्वारा बनाए गए 47 अंक के विश्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। अनंतजीत और परिनाज़ ने क्वालीफिकेशन में 138/150 अंक हासिल कर चौथा स्थान प्राप्त किया था। चीन 140, दक्षिण कोरिया 143 और कतर 145 अंक के साथ उनसे आगे रहे

थे। इसके बाद भारतीय जोड़ी ने फाइनल में कांस्य पदक अपने नाम किया। अनंतजीत और परिनाज़ दोनों ने इससे पहले भी इस एशियाई खेल में अपनी-अपनी टीम स्पर्धाओं में पदक जीते थे। अनंतजीत ने पुरुष स्कीट टीम के कांस्य पदक में योगदान दिया था, जबकि परिनाज़ ने रायज़ा ढिल्लों और माहेश्वरी चौहान के साथ महिला स्कीट टीम का कांस्य पदक जीता था। इस पदक के साथ भारत के खाते में अब एक स्वर्ण, छह रजत और आठ कांस्य, यानी कुल 15 पदक हो गए हैं। निशानेबाजी में भारत का यह आठवां पदक है, जिसमें चार रजत और चार कांस्य शामिल हैं। इससे पहले पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में भारत पदक से चूक गया था। कमलजीत, केदारलिंग बालकृष्ण और आकाश भारद्वाज की भारतीय टीम 1727-53एक्स के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रही। चीन और इंडोनेशिया ने 1743 अंक के साथ शीर्ष स्थान साझा किया, जबकि जापान 1730 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहा। अनंतजीत सिंह नरूका जयपुर के निशानेबाज हैं और पुरुष स्कीट तथा मिश्रित टीम स्कीट में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने 2012 में 14 वर्ष की उम्र में निशानेबाजी शुरू की थी। उनके प्रमुख पदकों में 2022 एशियाई खेलों में पुरुष स्कीट का रजत और टीम स्पर्धा का कांस्य, 2025 एशियाई शॉटगन चैंपियनशिप में स्वर्ण तथा 2024 नई दिल्ली आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में कांस्य शामिल हैं।

वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन-2026 की इंटरनेशनल इवेंट एंबेसडर बनीं दो बार की ओलंपिक चैंपियन शॉनाए

एजेंसी

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक चैंपियन शॉनाए मिलर-उइबो वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन-2026 में इंटरनेशनल इवेंट एंबेसडर के रूप में शामिल होंगी। प्रोकेम इंटरनेशनल की ओर से आयोजित प्रतिष्ठित रेस का आयोजन 18 अक्टूबर को ऐतिहासिक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में किया जाएगा। अपने शानदार फिनिश और उल्लेखनीय निरंतरता के लिए पहचानी जाने वाली बहामास की यह धाविका अपनी पीढ़ी की सबसे सफल स्प्रिंटर्स में शामिल हैं। वह दो बार की ओलंपिक चैंपियन हैं और उन्होंने रियो 2016 तथा टोक्यो 2020 ओलंपिक में महिलाओं की 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था। टोक्यो में उनकी जीत ने उन्हें फ्रांस की मैरी-जोस पेरेक के साथ इतिहास में सिर्फ दूसरी महिला बना दिया, जिन्होंने ओलंपिक 400 मीटर खिताब को सफलतापूर्वक डिफेंड किया है। उन्होंने उस फाइनल में 48.36 सेकंड का समय निकालकर उत्तर अमेरिकी रिकॉर्ड बनाया था। इससे पहले 2019 में दोहा में आयोजित

48.37 सेकंड का समय दर्ज कर इस रिकॉर्ड के बेहद करीब पहुंची थीं। मिलर-उइबो ने जूनियर स्तर पर ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनानी शुरू कर दी थी। जॉर्जिया यूनिवर्सिटी के लिए प्रतिस्पर्धा करते हुए उन्होंने एनसीएए डिविजन-1 इंडोर खिताब भी जीता। सीनियर स्तर पर उनका सफर आगे बढ़ा और गति तथा धैर्य के शानदार संयोजन ने उन्हें जल्द ही अन्य धाविकाओं से अलग पहचान दिलाई। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने 2015 और 2019 में 400 मीटर में रजत पदक जीते, जबकि 2017 में 200 मीटर में कांस्य पदक हासिल किया। इसके बाद 2022 में यूजीन में उन्होंने आखिरकार विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। 200 मीटर में उनका 21.74 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बहामास का राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। मिलर-उइबो ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कई सफलताएं हासिल की हैं। उन्होंने 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में 200 मीटर का स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा विश्व एथलेटिक्स रिले में बहामास की मिश्रित 4×400 मीटर रिले टीम के साथ स्वर्ण पदक जीतकर अपने शानदार रिकॉर्ड में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ी। खेल उपलब्धियों से आगे बढ़कर मिलर-उइबो बहामास के समुदायों के लिए योगदान देने की भी प्रबल समर्थक रही हैं। वह कई परोपकारी और सामुदायिक पहलों से सक्रिय रूप से जुड़ी रही हैं। विशेष रूप से बच्चों और युवाओं से संबंधित कार्यक्रमों मेंउनका विशेष लगाव रहा है।

विवेक सागर प्रसाद ने पूरे किए 200 अंतरराष्ट्रीय मैच, हॉकी इंडिया ने दी बधाई

एजेंसी

काकामिगाहारा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के स्टार मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद ने भारत के लिए 200 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। उन्होंने यह उपलब्धि जापान में जारी एशियाई खेल 2026 में दक्षिण कोरिया के खिलाफ भारत के तीसरे पूल-ए मुकाबले के दौरान हासिल की। हॉकी इंडिया ने इस खास उपलब्धि पर विवेक को बधाई दी। 26 वर्षीय विवेक ने 2018 में सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया था। अपनी संयमित खेल शैली, बहुमुखी प्रतिभा और अहम मौकों पर योगदान देने की क्षमता के कारण वह भारतीय टीम के महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। विवेक भारतीय टीम के साथ टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले अभियानों का हिस्सा रहे हैं।

इसके अलावा उन्होंने 2023 हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण और 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों और 2018 ब्रेडा चैंपियंस ट्रॉफी में रजत पदक भी जीता है। विवेक 2023 और 2024 में एशियन चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे और दोनों संस्करणों में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने 2025 एशिया कप में भी भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई। भारतीय हॉकी में उनके योगदान के लिए उन्हें 2021 में प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। 200 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले पूरे करने के अवसर पर भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने विवेक को स्मृति जर्सी भेंट कर सम्मानित किया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने विवेक को बधाई देते हुए कहा, '200 सीनियर अंतरराष्ट्रीय मुकाबले पूरे करना एक शानदार उपलब्धि है और यह विवेक की निरंतरता, प्रतिबद्धता और भारतीय हॉकी के प्रति जुनून का प्रमाण है। मैं उन्हें इस विशेष उपलब्धि पर बधाई देता हूं और भारतीय जर्सी में उनके कई और यादगार पलों की कामना करता हूं। ' हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, 'विवेक का 200 सीनियर अंतरराष्ट्रीय मुकाबले पूरे करना हॉकी इंडिया और भारतीय हॉकी के लिए गर्व का क्षण है। उनका सफर उस मेहनत, अनुशासन और समर्पण को दर्शाता है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरंतर उत्कृष्टता बनाए रखने के लिए जरूरी है। विवेक भारत के कई यादगार अभियानों का अहम हिस्सा रहे हैं और यह उपलब्धि उनके योगदान की उचित पहचान है।

दिल्ली में 'दुर्गा' योजना को मंजूरी

1,300 गुलाबी ई-ऑटो मिलेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी में महिलाओं और ट्रांसजेंडर्स को सुरक्षित और सम्मानजनक रोजगार देने के लिए 'दुर्गा' योजना स्वीकृति दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में अपलिफ्टमेंट एंड रोजगार फॉर वूमेन/ट्रांसजेंडर ग्रीन ई-ऑटो यानी 'दुर्गा' योजना को स्वीकृति दे दी गई। योजना के पहले चरण में 1,300 गुलाबी इलेक्ट्रिक ऑटो दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के तहत महिलाओं और ट्रांसजेंडर्स को इलेक्ट्रिक ऑटो का मालिक और चालक बनने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं और ट्रांसजेंडर्स को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ उन्हें सुरक्षित परिवहन से जोड़ना दिल्ली सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। 'दुर्गा' योजना इसी दिशा में अहम पहल है। इसके अंतर्गत महिलाएं और ट्रांसजेंडर इलेक्ट्रिक ऑटो के मालिक और चालक बन सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'दुर्गा' योजना के पहले चरण में 1,300 गुलाबी रंग के इलेक्ट्रिक ऑटो पंजीकृत करने का प्रस्ताव है। इनमें 1,170 इलेक्ट्रिक ऑटो महिलाओं के लिए और 130 इलेक्ट्रिक ऑटो ट्रांसजेंडर लाभार्थियों के लिए होंगे। महिलाओं के लिए प्रत्येक राजस्व जिले में अधिकतम 90 इलेक्ट्रिक ऑटो और ट्रांसजेंडर लाभार्थियों के

लिए प्रत्येक राजस्व जिले में अधिकतम 10 इलेक्ट्रिक ऑटो तक की सीमा रखी गई है। आवेदक योजना के लिए बनाए गए समर्पित ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। योजना का लाभ निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले आवेदकों को मिलेगा।

दुर्गा योजना में महिलाओं के लिए 20 से 40 वर्ष की आयु, दिल्ली का निवासी होना, वैध मतदाता पहचान पत्र, एलएमवी ड्राइविंग लाइसेंस और पीएसवी बैज जैसी शर्तें रखी गई हैं। तीन से अधिक बच्चों वाली महिला इस योजना की पात्र नहीं मानी जाएगी। महिला आवेदक या उसके परिवार के पास कोई पंजीकृत परिवहन वाहन या थ्री-व्हीलर नहीं होना चाहिए तथा वित्त वर्ष 2025-26 में परिवार की आय पांच लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। ट्रांसजेंडर आवेदकों के लिए दिल्ली के जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय से जारी वैध ट्रांसजेंडर प्रमाण-पत्र, 20 से 40 वर्ष की आयु, दिल्ली का निवासी होना, वैध मतदाता पहचान पत्र, एलएमवी लाइसेंस और पीएसवी बैज अनिवार्य होंगे। दुर्गा योजना के तहत ई-ऑटो पर तीन वर्ष की अनिवार्य लॉक-इन अवधि होगी। इस अवधि में वाहन को बेचा, हस्तांतरित या अन्य तरीके से निस्तारित नहीं किया जा सकेगा। योजना को सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क से जोड़ने के लिए भी विशेष व्यवस्था प्रस्तावित है। डीएमआरसी ने बताया है कि 70 मेट्रो स्टेशनों की पार्किंग में पहले से ही ईवी चार्जिंग सुविधाओं के लिए स्थान उपलब्ध कराया जा चुका है। यह योजना केवल रोजगार उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे जुड़े सहायक क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है। करीब 1,300 ई-ऑटो के संचालन से मरम्मत कार्यशालाओं, सर्विसिंग, चार्जिंग और बैटरी रीसाइक्लिंग जैसी सेवाओं में भी रोजगार के अवसर पैदा होंगे। योजना के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव का समय-समय पर आकलन भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना के तहत चलने वाले इलेक्ट्रिक ऑटो पर 'दुर्गा' ब्रैंडिंग और पहचान संबंधी विशेषताएं होंगी। इससे इन वाहनों को आसानी से पहचाना जा सकेगा और यात्रियों का इन वाहनों के प्रति भरोसा और आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद मिलेगी। 'दुर्गा' योजना महिलाओं और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के साथ दिल्ली के स्वच्छ परिवहन के लक्ष्य को भी आगे बढ़ाएगी। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देकर पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ शहरी परिवहन व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का किया शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को शालीमार बाग विधानसभा के हैदरपुर स्थित आयुर्वेदिक अस्पताल में निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ दिल्ली, सशक्त दिल्ली के हमारे संकल्प को 'सेवा संकल्प अभियान' के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि इस स्वास्थ्य जांच शिविर में विभिन्न स्वास्थ्य जांच, विशेषज्ञ चिकित्सकों का परामर्श और आवश्यक स्वास्थ्य मार्गदर्शन एक ही स्थान पर निःशुल्क उपलब्ध है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से इस शिविर में आकर स्वास्थ्य जांच कराने की अपील की है।

दिल्ली के उपराज्यपाल ने सभी पार्कों की सुरक्षा के दिए निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने दिल्ली के सभी पार्कों का सुरक्षा करने का निर्देश दिया है। उन्होंने दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार , दिल्ली नगर निगम आयुक्त संजीव खिरवार और दिल्ली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एन सरवना कुमार के साथ बैठक की। उपराज्यपाल ने बैठक के दौरान दिल्ली के सभी पार्कों का एक हफ्ते के अंदर व्यापक सुरक्षा ऑडिट करने का निर्देश दिया। इसमें पर्याप्त लाइटिंग, सुरक्षा, नियमित पेट्रोलिंग और साफ-सफाई पर खास जोर दिया गया। उन्होंने दिल्ली पुलिस को बीट पेट्रोलिंग को मजबूत करने और पार्क के आस-पास पिंक पुलिस कर्मियों की तैनाती का निर्देश दिया। उपराज्यपाल ने दिल्ली नगर निगम और दिल्ली विकास प्राधिकरण को पार्कों की लगातार देखभाल के लिए आरड्ब्लूए, निजी संस्थाओं और स्थानीय शिक्षण संस्थानों के साथ मिलकर काम करने की संभावनाओं पर विचार करने को कहा। उन्होंने कह कि दिल्ली के नागरिकों के बेहतर जीवन स्तर के लिए सुरक्षित, साफ और आसानी से पहुंच वाले पार्क जरूरी हैं। इसके अलावा उपराज्यपाल ने आज यूनिफाइड ट्रैफिक एंड ट्रांसपोर्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग एंड इंजीनियरिंग सेंटर (यूटीटीआईपीईसी) की 70वीं गवर्निंग बॉडी बैठक की अध्यक्षता की। इसमें दिल्ली के कॉरिडोर में भीड़ कम करने और शहरी कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए बड़े रोड इंफ्रास्ट्रक्चर और मल्टी-मॉडल इंटीग्रेशन प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की गई।

दिल्ली भाजपा के स्वच्छता अभियान एवं पौधरोपण कार्यक्रम में बी.एल. संतोष समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने किया श्रमदान

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा ने दीनदयाल उपाध्याय मार्ग स्थित लोक निर्माण विभाग के पार्क में स्वच्छता अभियान चलाया और पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष के नेतृत्व में आयोजित स्वच्छता अभियान में दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, वरिष्ठ राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं प्रदेश के सभी पदाधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि फ्लाईओवर के नीचे स्थित इस पार्क का क्षेत्र थोड़ा अलग दिखता है जिसके कारण से लोग इसमे कूड़ा मलवा फेंक देते हैं। आज के स्वच्छता अभियान में सम्मिलित सभी राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों ने मिल कर नगर निगम कर्मियों के द्वारा लाये वाहनों के माध्यम से लोक निर्माण विभाग के विशाल पार्क के चारों तरफ एकत्र लगभग 5 टेम्पो मलवा एवं कूड़ा उठाया और तत्पश्चात पार्क में सभी ने एक-एक पौधा लगाया। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता, सांसद, विधायक एवं पार्षद 25 सितंबर से 2 अक्टूबर 2026 के बीच सारी दिल्ली में स्वच्छता अभियान चलायेंगे जिनमें विशेषकर पार्कों, पूजा स्थलों, अस्पताल परिसरों पर ध्यान दिया जायेगा।

मुख्मयंत्री रेखा गुप्ता ने सरकारी योजनाओं का संदेश देने वाली 'रैप्ड मेट्रो ट्रेन' को दिखाई हरी झड़ी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आईटीओ मेट्रो स्टेशन से सरकारी योजनाओं और जनकल्याणकारी पहलों के संदेश वाली विशेष 'रैप्ड मेट्रो ट्रेन' को हरी झंडी दिखाई। मुख्मयंत्री ने कहा कि इस पहल के माध्यम से दिल्ली सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और जनहितकारी पहलों की जानकारी अधिक से अधिक नागरिकों तक पहुंचाई जाएगी, ताकि पात्र लोग इनका लाभ उठा सकें। मुख्यमंत्री ने बताया कि पांच मेट्रो ट्रेनों के 36 कोचों को दिल्ली सरकार की विभिन्न योजनाओं से संबंधित संदेशों से सजाया गया है। ये ट्रेनें रेड, येलो, ब्लू, ग्रीन और वॉयलेट लाइनों पर संचालित होंगी और दिल्ली मेट्रो नेटवर्क के लगभग 67 प्रतिशत हिस्से को कवर करेंगी। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य सरकार की योजनाओं की जानकारी पात्र नागरिकों तक सरल और प्रभावी तरीके से पहुंचाना है, ताकि अधिक से अधिक दिल्लीवासी इन जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने 4,100 किलो से अधिक मिलावटी खोया-पनीर किया नष्ट

खाद्य सुरक्षा विभाग ने भी दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में कार्रवाई की।

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटी और असुरक्षित खाद्य पदार्थों के खिलाफ अभियान चलाकर 4,100 किलोग्राम से अधिक खोया-पनीर जब्त करके नष्ट कर दिया। यह अभियान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के कड़े निर्देश चलाया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि त्योहारों के दौरान दिल्लीवासियों को सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध करने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग राजधानी के विभिन्न इलाकों में कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान बड़ी संख्या में लोग मिठाइयों और दूध से बने उत्पादों की खरीददारी करते हैं। ऐसे में मिलावट के जरिए लोगों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ दिल्ली सरकार सख्त कार्रवाई करेगी।

मुख्यमंत्री ने खाद्य पदार्थ में मिलावट किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी और खाद्य सुरक्षा से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोगों के स्वास्थ्य से समझौता करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और खाद्य सुरक्षा विभाग पूरे त्योहारों के मौसम में गहन प्रवर्तन अभियान चलाता रहेगा। खाद्य सुरक्षा विभाग ने बीते एक महीने के दौरान दिल्ली के प्रमुख बाजार और खाद्य बिक्री केंद्रों पर लगातार प्रवर्तन अभियान चलाया है। इन अभियानों के तहत ओखला सब्जी मंडी, मोरी गेट खोया मंडी, बाग दीवार, संजय मार्केट, छोटी सब्जी मंडी जनकपुरी, मोची मार्केट-शाहदरा, गाजीपुर और झील सहित विभिन्न स्थानों पर खोया, पनीर, छेना और घी की जांच की गई। विभाग की ओर से ऑनलाइन निरीक्षण भी किए गए हैं। इस दौरान खाद्य कारोबारियों को साफ-सफाई के निर्धारित मानकों का सख्ती से पालन करने और केवल वास्तविक एवं मानकों के अनुरूप खाद्य उत्पादों की बिक्री करने की हिदायत दी गई है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने भी दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में कार्रवाई की। खारी बावली, ओखला सब्जी मंडी, पूर्वी दिल्ली के झील क्षेत्र और पश्चिमी दिल्ली की जनकपुरी मंडी समेत विभिन्न स्थानों पर जांच और प्रवर्तन कार्रवाई की गई। विभाग की कार्रवाई के दौरान अब तक 4,100 किलोग्राम से अधिक खोया और पनीर ऐसा पाया गया, जिस पर मिलावट का संदेह था।

पूर्व सांसद आमिर आलम खान समेत उत्तर प्रदेश के 10 से अधिक नेता कांग्रेस में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश के पूर्व सांसद आमिर आलम खान, पूर्व विधायक नवाजिस आलम, इंडियन मेडिकल काउंसिल उत्तर

प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद अकरम, मोहम्मद मूसा समेत 10 से अधिक नेता कांग्रेस में शामिल हो गए। सभी नेताओं ने कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर आमिर आलम खान ने पत्रकार वार्ता में कहा कि आज देश में साम्प्रदायिक ताकतों के खिलाफ राहुल गांधी और प्रियंका गांधी लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस में शामिल होने वाले सभी नेताओं को बधाई देते हुए कहा कि पार्टी में आने के लिए उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और सांसद इमरान मसूद ने उन्हें प्रेरित किया, जिसके लिए उन्होंने उनका आभार जताया। राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि कांग्रेस से प्रभावित होकर उत्तर प्रदेश के कई वरिष्ठ नेता आज पार्टी में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने सभी नए सदस्यों का कांग्रेस में स्वागत किया। गौतम ने कहा कि यह केवल चुनावी लड़ाई नहीं बल्कि देश को बचाने की लड़ाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस निर्वाचन आयोग पर निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी है, वहां जनता के मताधिकार को चुराया जा रहा है।

ब्राजील दौरे पर दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष, रियो के कार्यवाहक गवर्नर से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने ब्राजील के अध्ययन दौरे के दौरान रियो डी जेनेरियो के न्यायालय के अध्यक्ष कार्यालय में रियो डी जेनेरियो राज्य के कार्यवाहक गवर्नर एवं अपीलीय न्यायाधीश रिकार्डो कौटो डी कास्त्रो से मुलाकात की। बैठक के दौरान भारत और ब्राजील के बीच संस्थागत जुड़ाव को मजबूत करने पर चर्चा हुई। दोनों ने लोकतांत्रिक शासन, सार्वजनिक संस्थानों तथा आपसी हित के विभिन्न विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। यह जानकारी एक विज्ञप्ति के जरिए दी गई। विजेंद्र गुप्ता ने बैठक के दौरान लोकतांत्रिक संस्थानों के बीच निरंतर संवाद तथा अनुभवों और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों के अधिकाधिक

आदान-प्रदान के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत और ब्राजील प्रमुख लोकतांत्रिक देश हैं और विभिन्न स्तरों पर संस्थागत सहयोग को और गहरा करने तथा आपसी संवाद के माध्यमों को मजबूत करने की व्यापक संभावनाएं हैं।

व्यक्तिगत जीवन में स्थायी रिश्ते की नींव विश्वास है: सुनील शेट्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी ने कहा कि व्यापार हो या व्यक्तिगत जीवन, किसी भी स्थायी रिश्ते की नींव विश्वास ही है। सुनील शेट्टी ने आज कौशाम्बी स्थित होटल रेडिसन ब्लू (टावर वन) में 'ट्रुथ एंड सोशल पब्लिकेशन' द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'ट्रस्ट इज द रियल कैपिटल' का विमोचन एवं संपत्ति आवंटन समारोह पर यह बात कही। इसको आयोजित रियल एस्टेट कंपनी नवभारत निवास प्राइवेट लिमिटेड ने किया था।

मुख्य अतिथि के रूप में उन्होंने कहा, व्यापार हो या व्यक्तिगत जीवन, किसी भी स्थायी रिश्ते की नींव विश्वास ही है। एक ऐसी पुस्तक जो पारदर्शिता, जवाबदेही और प्रतिबद्धता की बात करती है, हर उद्योग के लिए जरूरी है–विशेष रूप से रियल एस्टेट सेक्टर के लिए, जहां विश्वसनीयता सबसे महत्वपूर्ण पूंजी होती है। यह पुस्तक रियल एस्टेट

क्षेत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही और विश्वसनीयता के महत्व को केंद्र में रखकर लिखी गई है। चूंकि संपत्ति की खरीद-बिक्री में ग्राहकों की जीवनभर की पूंजी और बड़ा वित्तीय निवेश शामिल होता है, इसलिए यह पुस्तक ग्राहकों और रियल एस्टेट कंपनियों के बीच विश्वास आधारित दीर्घकालिक संबंधों की आवश्यकता को रेखांकित करती है। कार्यक्रम के दूसरे चरण में कंपनी की राजस्थान स्थित विभिन्न परियोजनाओं के ग्राहकों को औपचारिक रूप से संपत्ति आवंटन पत्र सौंपे गए। इनमें प्रमुख रूप से नवभारत शिवानी रेजिडेंसी फेज-2 (फुलेरा), श्याम भूमि फेज-1 (खाटू श्याम जी), नवभारत शिवानी वाटिका 11ह्रद्ध फेज-2 शामिल हैं। यह आवंटन प्रक्रिया पारदर्शी दस्तावेजीकरण और ग्राहक-केंद्रित सेवा के तहत पूरी की गई, जिससे ग्राहकों और कंपनी प्रबंधन के बीच सीधा संवाद संभव हुआ।

संस्थापक एवं निदेशक प्रिंस धारीवाल ने कहा कि यह आवंटन समारोह हमारे ग्राहकों और कंपनी दोनों के लिए एक बड़ा मील का पत्थर है। किसी भी संपत्ति का स्वामित्व विश्वास और वादों को पूरा करने पर टिका होता है।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर दो फुट ओवर ब्रिज का शिलान्यास, तीसरे को भी मंजूरी

मल्होत्रा ने बताया कि दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून हाई-वे के दिल्ली वाले एलिवेटेड हिस्से के साथ सोलर पैनल लगाए जा रहे हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री एवं दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने पूर्वी दिल्ली में दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे (एनएच-709बी) पर गांधी नगर के गीता कॉलोनी और लक्ष्मी नगर के रमेश पार्क में दो फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि इन दो एफओबी के अतिरिक्त भजनपुरा के गढ़ी मेंडू के पास एक और फुट ओवर ब्रिज को मंजूरी दी गई है। तीनों के निर्माण पर कुल 12.8 करोड़ रुपये लागत आएगी। इस अवसर पर मल्होत्रा ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आधुनिक एवं नागरिक-केंद्रित बुनियादी ढांचे के उस विजन को दर्शाती है, जो लोगों के जीवन को सुगम बनाने और सुरक्षित आवागमन को सीधे तौर पर बेहतर करता है। उन्होंने कहा कि देश में आधुनिक एक्सप्रेसवे, उच्च क्षमता वाले सड़क

गलियारों और जनसुरक्षा से जुड़ी परियोजनाओं का तेजी से विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि यह पहल पूर्वी दिल्ली के निवासियों के लिए पैदल यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने और दैनिक आवागमन को सुगम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एक्सप्रेसवे का दिल्ली वाला हिस्सा घनी आबादी वाले क्षेत्रों से होकर गुजरता है तथा प्रमुख आवासीय, व्यावसायिक और स्थानीय आवागमन वाले क्षेत्रों को जोड़ता है। ऐसे में सुरक्षित पैदल यात्री सुविधाओं का होना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

मल्होत्रा ने कहा कि इन फुट ओवर ब्रिजों में लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे पैदल यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और समर्पित क्रॉसिंग की सुविधा मिलेगी। इससे पैदल यात्रियों और वाहनों के बीच टकराव की संभावनाएं कम होंगी तथा वाहनों का आवागमन भी निर्बाध रूप से जारी रहेगा। लिफ्ट की सुविधा से वरिष्ठ नागरिकों, चलने-फिरने में कठिनाई वाले लोगों, विद्यार्थियों, श्रमिकों तथा अन्य पैदल यात्रियों को विशेष सुविधा मिलेगी। केंद्रीय राज्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के दिल्ली वाले हिस्से के एलिवेटेड कॉरिडोर के नीचे पार्किंग की सुविधा शुरू कर दी गई है तथा दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून एक्सप्रेसवे (एनएच-709बी, फेज-द्ध) के दिल्ली वाले हिस्से के व्यापक सौंदर्यीकरण की योजना पर कार्य प्रगति पर है।

इन पहलों से एलिवेटेड कॉरिडोर के नीचे उपलब्ध स्थान का बेहतर उपयोग हो सकेगा, पार्किंग व्यवस्था में सुधार होगा और ईवी चार्जिंग, शौचालय तथा अन्य जनसुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। इससे यातायात के दबाव को कम करने में भी मदद मिलेगी और पूरे कॉरिडोर का सौंदर्य भी बेहतर होगा, जिसका लाभ क्षेत्र के निवासियों, व्यापारियों और दैनिक यात्रियों को मिलेगा।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने जीबी पंत अस्पताल का किया निरीक्षण

दवाओं की उपलब्धता एवं सुविधाओं की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने जीबी पंत अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान मंत्री ने दवाओं की उपलब्धता, मरीजों को मिल रही सुविधाओं और अस्पताल के विभिन्न विभागों के कामकाज की समीक्षा की।

दवाओं के स्टोर और फ़ार्मेसी के निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह को अस्पताल प्रशासन ने बताया कि लगभग 95-97 फीसदी दवाएं उपलब्ध हैं। इस पर मंत्री ने अस्पताल प्रशासन को तुरंत सुधारात्मक कदम उठाने और जरूरी दवाओं की 100 प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रोजाना बड़ी संख्या में मरीज़ इलाज के लिए अस्पताल में आते हैं और उन्हें संस्थान द्वारा दी जाने वाली सेवाओं और सुविधाओं पर पूरा भरोसा है।

उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि जरूरी दवाओं की लगातार उपलब्धता सुनिश्चित करके इस भरोसे को और अधिक मजबूत किया जाना चाहिए। स्वास्थ्य मंत्री ने दवाओं की उपलब्धता का खुद जायजा लेने के लिए फार्मेसी और दवा भंडारण क्षेत्रों में रैंडम स्पॉट चेक किए। निरीक्षण के दौरान उन्हें बताया गया कि अगर किसी खास ब्रांड का स्टॉक उपलब्ध नहीं है, तो उसकी दूसरी कंपनियों की वैकल्पिक ब्रांड की दवाएं उपलब्ध हैं। मंत्री ने डॉक्टरों और फार्मासिस्टों को ऐसे मामलों में बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि डॉक्टर द्वारा लिखी गई कोई खास ब्रांड की दवा उपलब्ध नहीं है, तो मरीजों को उसी सॉल्ट/जेनेरिक कंपोजीशन वाले उपलब्ध विकल्प के बारे में विस्तार से जानकारी दी जानी चाहिए, बशर्ते यह चिकित्सकीय रूप से उचित हो।

अस्पताल के निरीक्षण के दौरान मंत्री ने अलग-अलग वार्डों का भी दौरा किया और इलाज, दवाओं की उपलब्धता और अस्पताल की अन्य सुविधाओं के बारे में मरीजों और उनके साथ आए लोगों से खुद बातचीत कर फीडबैक लिया।

उन्होंने इस बारे में भी जानकारी हासिल की कि क्या मरीजों को दवाएं समय पर मिल रही है या नहीं और क्या मरीजों को मेडिकल की सेवाएं पाने में कोई परेशानी तो नहीं हो रही है। उन्होंने डॉक्टरों और अस्पताल के कर्मचारियों से खुद बातचीत कर मरीज़ों के लिए की जा रही सभी व्यवस्थाओं का बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को दवाओं के स्टॉक के बारे में सतर्क रहने और स्टॉक खत्म होने से पहले समय पर दवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

महमूद मदनी बोले- देश में मुस्लिमों को बनाया जा रहा निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने देश में मुसलमानों को निशाना बनाए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पहले मॉब लिंचिंग फिर बुलडोजर और अब मस्जिदों एवं दरगाहों और मुसलमानों के घरों को निशाना बनाया जा रहा है। संविधान में दिए गए अधिकारों से वंचित करने का प्रयास किया जा रहा है। देश में अराजकता जैसे हालात फैलाने की कोशिश की जा रही है। महमूद मदनी ने आईटीओ स्थित जमीअत मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आज जमीअत उलमा-ए-हिंद की कार्यकारिणी की आपात बैठक में इन सबके खिलाफ जोरदार तरीके से आवाज उठाने का फैसला लिया गया है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसका विरोध करने का फैसला लिया गया है। भारत के मित्र देशों के सामने देश के मुसलमानों की ताजा स्थिति को रखने का फैसला लिया गया है। मौलाना मदनी ने कहा कि केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और प्रशासन की मिलीभगत से देश के सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय मुसलमानों को परेशान किया जा रहा है। उनके ऊपर अत्याचार किया जा रहा है । उनकी मस्जिदों, दरगाहों, इबादतगाहों को तोड़ा जा रहा है। अदालतों की विफलता की वजह से देश में इस तरह की स्थिति बनी है और इसकी वजह से देश के मुसलमानों में काफी बेचैनी भी पाई जा रही है। मौलाना मदनी ने कहा कि कार्यकारिणी की बैठक में देश के वर्तमान हालात पर विस्तार से चर्चा की गई और इस तरह के मामलों को रोकने के लिए रणनीति बनाने पर जोर किया गया। उन्होंने कहा कि मुसलमानों को असहाय बनाने की कोशिश की जा रही है, यह देशहित में नहीं है। इस तरह की स्थिति से उबरने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन शुरू करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि संविधान ने जो भी अधिकार दिए हैं उसका पूरा इस्तेमाल किया जाएगा।